YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 52 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, बुधवार 12 मार्च 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

नरमुंड पहने नागाओं ने किया तांडव, डमरू की गूंज

● शिव की काशी में जलती चिता की राख से खेली होली ● 25 देशों से पहुंचे 2 लाख टूरिस्ट, रंगोत्सव की दिखी धूम

वाराणसी (एजेंसी)। जलती चिताएं। रोते-बिलखते लोग। डीजे की तेज आवाज और चिता की राख से होली खेलते हुए नॉनस्टॉप डांस। यह नजारा काशी के मणिकर्णिका घाट पर दिखा। यहां मसाने की होली खेली गई। मंगलवार को रंगोत्सव डमरू वादन से शुरू हुआ। घाट पर कोई गले में नरमुंडों की माला पहनकर तांडव करता दिखा, तो कोई डमरू की थाप पर नाचता हुआ। नागा संन्यासियों ने तलवारें और त्रिशूल लहराए। जश्न के बीच से शवयात्रा भी गुजरी। भीड़ इतनी कि पैर रखने तक की जगह नहीं दिखी। सड़कें पूरी तरह से राख से पट गईं। रंग और राख से सराबोर होकर विदेशी पर्यटक भी झूमते दिखे। मंगलवार सुबह 11 बजे शुरू हुई होली शाम 4 बजे तक लगातार चली। 25 देशों से 2 लाख से ज्यादा पर्यटक मसाने की होली खेलने पहुंचे। आम लोग, जो चिता की राख से दूर रहते हैं, आज उसी राख में सराबोर दिखे। ऐसा पहली बार हुआ कि महिलाएं मसाने की होली में शामिल नहीं हुईं। दरअसल महाकुंभ समापन के बाद भीड़-भाड़ देखते हुए उनके आने पर रोक लगाई गई थी। महिलाओं को नाव से मसाने की होली देखने की गुजारिश की गई थी। डमरू वादन के बीच नागा साधु संन्यासी नर मुंडों की माला पहले मणिकर्णिका घाट पर पूजन करने पहुंचे। भस्म रंग गुलाल अबीर बाबा मसान नाथ को अर्पित किया। विदेशी महिला फ्रेनी ने कहा- मैं यहां मणिकर्णिका घाट पर पिछले 3 सालों से आ रही हूं। भारत में 7 साल से रह कर पढ़ाई कर रही हूं। मणिकर्णिका घाट पर एक लाख से अधिक लोगों की भीड़ है। यहां रंगों का उत्सव डमरू वादन के बाद शुरू हुआ।

गोल्ड स्मगलिंग केस में कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या का दोस्त अरेस्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। 14 करोड़ रुपए के गोल्ड तस्करी केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव के दोस्त तरुण राजू को पुलिस ने अरेस्ट किया है। राजू बेंगलुरु के एट्रिया होटल के मालिक का पोता है। उसे रविवार रात को बेंगलुरु में विशेष आर्थिक अपराध अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे चार दिनों के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस की हिरासत में भेज दिया है। रान्या की शादी आर्किटेक्ट जतिन हुक्केरी से होने के बाद तरुण राजू और एक्ट्रेस के बीच मतभेद शुरू हो गया था। इसके बावजूद दोनों मिलकर सोने की तस्करी कर रहे थे। इधर, एक्ट्रेस रान्या पर एयरपोर्ट के वीआईपी प्रोटोकॉल का फायदा उठाने का आरोप लगा है।

तेरह साल की रेप पीड़ित 7 महीने की प्रेग्नेंट, अबॉर्शन मंजूर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने 13 साल की रेप पीड़ित को 7 महीने की प्रेग्नेंसी में गर्भपात (अबॉर्शन) कराने की अनुमति दे दी है। जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने अपने आदेश में कहा-

अगर पीड़ित को डिलीवरी के लिए मजबूर किया गया तो उसे जीवनभर तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। इसमें बच्चे के भरण-पोषण से लेकर अन्य मुद्दे भी शामिल हैं। कोर्ट ने ये भी कहा कि बच्चे को जन्म देने से पीड़ित के मानसिक स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने महिला चिकित्सालय सांगानेर (जयपुर) की अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे मेडिकल बोर्ड से नाबालिग लड़की के गर्भपात कराने की व्यवस्था करें।

पाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने ट्रेन को किया हाईजैक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन को हाईजैक कर लिया गया है। इस ट्रेन में करीब 500 यात्री सवार थे। क्षेत्र के अलगाववादी गुट बीएलए ने एक बयान जारी कर ट्रेन पर कब्जा करने का दावा किया है। गुट का कहना है कि ट्रेन को हाईजैक करने की

कोशिश पाकिस्तान के छह सैन्यकर्मी भी मारे गए हैं। इस संघर्ष के बाद उन्होंने ट्रेन को काबू करते हुए 100 से ज्यादा यात्रियों को बंधक बना लिया है। हालांकि बंधकों की सही संख्या की अभी जानकारी नहीं है। हाईजैक हुई ट्रेन पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी, तभी उस पर हमला हुआ। पाक अखबार के मुताबिक रेलवे नियंत्रक ने बताया कि इस ट्रेन में करीब 500 यात्री सवार थे।

● कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया नहीं

कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ भारत लिखना चाहिए

नोएडा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- अपने देश को इंडिया नहीं, भारत कहना चाहिए। इसे ठीक करना पड़ेगा। देश को दो नामों से क्यों जाना जा रहा है। इसे ठीक करना ही पड़ेगा। भारत है, तो भारत ही कहो। दत्तात्रेय होसबाले नोएडा में सोमवार को विमर्श भारत का पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- क्या भारत एक जमीन का टुकड़ा है। या संविधान से चलने वाला केवल एक भारत। केवल ऐसा नहीं है, भारत एक जीवन दर्शन है, आध्यात्मिक प्रतिभूत है। विश्व को संदेश देने वाला विश्वगुरु है। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- पिछले दिनों सरकार ने जी-20 सम्मेलन में राष्ट्रपति आवास पर भोज के लिए निमंत्रण में रिपब्लिक ऑफ भारत लिखा गया। कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया यानी भारत का संविधान, भारत का रिजर्व बैंक।

आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले बोले-देश को अब इंडिया नहीं, भारत कहो

ट्रंप ने हटाया हाथ तो घुटने पर आए जेलेंस्की

● पहली बार जंग रोकने को तैयार हुआ कीव, सऊदी से आएगी यूक्रेन में शांति!

रियाद (एजेंसी)। अमेरिकी के सैन्य सहायता रोकने के बाद रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन घुटने टेकता नजर आ रहा है। मंगलवार को अमेरिकी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के बीच सऊदी अरब में बैठक होने जा रही है, जिसमें कीव सीमित युद्धविराम का प्रस्ताव रख सकता है। समाचार एजेंसी एपी ने एक यूक्रेनी अधिकारी के हवाले से बताया है कि सऊदी अरब में मौजूद यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल लंबी दूरी के मिसाइल हमलों को रोकने के साथ कैदियों की रिहाई और काला सागर के क्षेत्र में युद्ध विराम का प्रस्ताव देने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने आगे बताया कि यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल कीव के दुर्लभ पृथ्वी खनिजों तक पहुंच के लिए अमेरिकी राजनयिकों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए भी तैयार है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो वार्ता में शामिल होने के लिए सऊदी अरब की राजधानी जेद्दा पहुंच गए हैं।

होली के अवसर पर उपभोक्ताओं को मिलेगी निर्बाध विद्युत आपूर्ति

247 टोल फ्री नम्बर 1912 पर विशेष रूप से सजग रहने के निर्देश

आज का मुद्दा-मेरठ, 11 मार्च, 2025। ईशा दुहन (IAS) प्रबन्ध निदेशक, प०वि०वि०नि०लि०, मेरठ ने बताया कि होली के अवसर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रमुख मार्गों / स्थलों पर पड़ने वाली विद्युत लाईनों तंत्रों, विद्युत खम्बों, लटके/ ढीले जर्जर तारों का सघनता से निरीक्षण कर, उन्हें शीघ्र ठीक करा लिया जाये। प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि प्रमुख मार्गों / स्थलों पर पड़ने वाले समस्त विद्युत ट्रांसफार्मर, सुचारू रूप से कार्यरत हैं तथा उनके चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक गार्डिंग इत्यादि करा ली जाये जिससे रात्रि के समय विद्युत आपूर्ति में व्यवधान न हो। सभी मानव संसाधन एवं सामग्री विकेन्द्रीकृत रूप से मार्ग / स्थल के पास चिन्हित उपकेन्द्रों पर रखी जाये जिससे कि न्यूनतम समय में फॉल्ट को ठीक कराया जा सके।
प्रबन्ध निदेशक महोदया ने जनपद स्तर पर 247 कार्यरत कन्ट्रोल रूम में उक्त अवधि के दौरान सक्षम स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि वितरण खण्डों को सेक्टर में विभाजित करते हुए सक्षम मानव संसाधन / सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये जिससे कि लोकल फाल्ट्स का त्वरित निस्तारण किया जा सके। उन्होंने 247 टोल फ्री नम्बर 1912 पर विशेष रूप से सजग रहने के निर्देश दिये। प्रबन्ध निदेशक महोदया ने कहा कि यदि किसी कार्यक्रम स्थल पर अस्थाई संयोजन की मांग होती है तो उसे नियमानुसार अविलम्ब प्रदान किया जाये। प्रबन्ध निदेशक महोदया ने सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से सुरक्षित होली मनाने, बिजली के खम्बों, परिवर्तकों या विद्युत लाईनों के नीचे /आसपास होलिका दहन न करने तथा रंग खेलने के बाद विद्युत अवसंरचना पर कपड़े इत्यादि डालने से बचने की अपील की है जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति / विद्युत दुर्घटना से बचा जा सके।

राज्यसभा में खड़गे के 'ठोकेंगे' वाले बयान पर जमकर हंगामा

● डिप्टी चेयरमैन ने बोलने से रोका तो कहा- क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'ठोकेंगे' वाले बयान पर हंगामा हुआ। दरअसल, डिप्टी चेयरमेन ने दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए कहा, लेकिन खड़गे बीच में अपनी बात रखने लगे। इस पर डिप्टी चेयरमैन हरिवंश ने उन्हें टोका, कहा- आप सुबह बोल चुके हैं।

इस पर खड़गे ने कहा- ये क्या डिक्टेटरशिप है। मैं हाथ जोड़कर आपसे बोलने की अनुमति मांग रहा हूं। अभी दिग्विजय सिंह के बोलने का मौका है, इसलिए आप बैठ जाइए। इसके बाद खड़गे ने कहा- वो तो बोलेंगे ही, लेकिन आपको क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को भी ठोकेंगे। जब हरिवंश ने उनके बयान पर आपत्ति जताई तो उन्होंने बोला कि हम सरकार की नीतियों को ठोकेंगे की बात कर रहे हैं।

पंजाब पुलिस से भिड़े किसान, जमकर टकराव

● जमीन खाली कराने के विरोध पर किया लाठीचार्ज ● कहा-मुआवजा मिलने के बाद भी खेती कर रहे थे

गुरदासपुर (एजेंसी)। दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर पंजाब के गुरदासपुर में किसानों और पुलिस के बीच टकराव हो गया। इसमें 7 किसानों के घायल हो गए। पुलिस की मदद से जिला प्रशासन की टीम किसानों से जमीन खाली कराने पहुंची थी। इस दौरान पुलिस ने किसानों की खड़ी फसल पर मशीन चला दी, जिससे उनकी फसल बर्बाद हो गई। अपनी फसलों को बचाने के लिए आए किसानों की पुलिस के साथ धक्कामुक्की हुई। बाद में पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसानों को मौके से खदेड़ दिया। हालांकि, बाद में प्रशासन की टीम को लौटना पड़ा। किसानों का आरोप है सरकार से उन्हें जमीनों का उचित मुआवजा नहीं मिला है। इसलिए, वे अपनी जमीनों पर खेती कर रहे हैं। जबकि, जिला प्रशासन के अधिकारी कहते हैं कि किसानों को जमीनों का

मुआवजा मिल गया है, तो ये जमीनें अब सरकार की हैं। इन पर किसानों को खेती का हक नहीं है। घटना के बाद किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बयान जारी कर कहा है कि गुरदासपुर के नंगल चौड़ और भरथ में किसानों को मुआवजा दिए बिना जमीन हथियाने की कोशिश की गई है। जब किसानों ने उसका विरोध किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया गया, जिसमें 7 किसान जख्मी हो गए हैं। पंधेर ने कहा कि घायलों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

● **मशीन के आगे लेटे किसान, कई की पगड़ी उतरी-** प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान कई किसान फसल पर चल रही मशीन के आगे लेट गए। इस दौरान पुलिस उन्हें धक्का देकर हटाती दिखी। धक्का लगने से कुछ किसान गिर गए, जिससे उनकी पगड़ियां उतर गईं। वे अपनी पगड़ियां और हाथ में किसान यूनियन के झंडे संभालते नजर आए। गेहूं की खड़ी फसल पर मशीन चलाने से गुस्से में आए किसानों ने पंजाब की एएपी सरकार को केंद्र से मिला हुआ बताया। कहा कि आज सभी लोग लाइव देख रहे हैं कि किस तरह से पंजाब सरकार किसानों की खड़ी फसलों को रौंद रही है, वह भी बिना मुआवजा दिए। इससे पता चलता है कि पंजाब की एएपी सरकार केंद्र सरकार से मिल गई है। किसान नेताओं ने आरोप लगाया है कि प्रशासनिक अधिकारियों के उनकी बातचीत चल रही थी। हर बैठक में विश्वास दिलाया गया था कि जब तक पूरा मुआवजा नहीं दिया जाता, जमीन पर कब्जा नहीं लिया जाएगा। इसके बाद भी आज जमीनों पर कब्जा किया।

नायब सैनी है 'नायाब' सीएम : पंडित मोहन लाल बडौली

मुख्यमंत्री का एक साल रहा बेमिसाल : बड़ौली

चंडीगढ़, 12 मार्च। (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--नायब सैनी को मुख्यमंत्री बने हुए एक साल पूरा होने पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नायब सैनी 'नायाब' मुख्यमंत्री है और अपने एक साल के कार्यकाल में ही नायब सैनी ने अपनी एक अनूठी और नायाब पहचान बनाई है। बडौली ने कहा कि सीएम के तौर पर सैनी का पहला साल, बेमिसाल रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले 12 मार्च को ही भारतीय जनता पार्टी ने नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुनकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में उनके चेहरे पर ही बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीता और फिर नायब सैनी दूसरी बार सीएम बने।
मुख्यमंत्री के रूप में एक साल पूरा करने

पर भाजपा अध्यक्ष ने खुशी जताते हुए कहा कि नायब सैनी ने हरियाणा के लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है। नायब ने अपने पहले साल के कार्यकाल में ही हरियाणा के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कई कमाल किए है। बडौली ने सीएम की तारीफ करते हुए कहा कि आम जनता से सहज होकर मिलना, मुख्यमंत्री निवास को हमेशा आमजन के लिए खुले रखने जैसे निर्णय और जनहित में दिन रात काम करने की उनकी कार्यशैली को लोगों ने काफी सराहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री विनम्र स्वभाव के धनी है, और हमेशा मुस्कुराते हुए जनता के लिए काम करने की उनकी छवि उनको अन्य राजनेताओं से अलग पहचान दिलाती है।
भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि इस एक साल में प्रदेश हित में नायब सैनी ने सीएम बनते ही अपनी पहली कलम से 25 हजार युवाओं को नौकरी दी, सबसे ज्यादा 24 फसलों पर एमएसपी देने का काम किया, 100 द 100 गज के प्लाट वितरण जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर अपने आप को साबित किया है और भविष्य में भी उनके नेतृत्व में हरियाणा नॉन स्टॉप प्रगति की राह पर आगे बढ़ता रहेगा।

जादवपुर यूनिवर्सिटी में आजाद कश्मीर, फ्री फिलिस्तीन की पेंटिंग

● टीएमसी बोली-पूरे कैंपस में ऐसी तस्वीरें, वामपंथी छात्र संगठनों का हाथ, एफआईआर दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की जादवपुर यूनिवर्सिटी में दीवार पर आजाद कश्मीर और फ्री फिलिस्तीन की पेंटिंग (ग्रैफिटी) बनाई गई। ये ग्रैफिटी तब बनाई गई, जब 10 मार्च को एग्जाम चल रहा था। इसको लेकर पुलिस कथित रूप से सादे कपड़ों में कैंपस में पहुंची। मामले में वामपंथी छात्र संगठन के समर्थकों पर एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। पेंटिंग यूनिवर्सिटी के गेट नंबर तीन के पास की दीवार पर बनाई गई। ये भी लिखा कि फासिस्ट ताकतों को खत्म किया जाना चाहिए। पेंटिंग बनाने में किस संगठन का हाथ है, ये फिलहाल पता नहीं लगा है। वामपंथी संगठन ने कहा- हम अलगाववाद का समर्थन नहीं करते इधर, जादवपुर यूनिवर्सिटी में वामपंथी संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेता अभिनब बसु ने कहा- हम अलगाववाद का समर्थन नहीं करते।

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

ललित गर्ग

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है।

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। ह्यनेचर फूडह्व पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी।

सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है।

स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।?इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और?खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर?खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउंड ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वहीं पूरे परिवार को जोड़ने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका, ?भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंडरा रहा है। प्रेषक

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जीत की खुशी

भारत ने एक साल से कम समय में दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप को जीता था और अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को ही नहीं हराया बल्कि खिताब जीतने की राह तक सभी टीमों को परास्त कर दिखाया कि अब कोई उनका सानी नहीं है। भारत की इस जीत में उसके द्वारा लिए गए रणनीतिक फैसले ने भी अहम भूमिका निभाई। बीसीसीआई के चवनकताओं ने जब कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा की मांग पर टीम में पांच स्पिनरों का चयन किया तो इस फै सले की आलोचना भी हुई थी। पर भारत के पूरे अभियान के दौरान एकादश में चार स्पिनरों को खिलाने की योजना बेहद कारगर साबित हुई, क्योंकि किसी भी टीम के पास इसकी काट नजर नहीं आई। फाइनल में भी भारत की कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल की स्पिन चौकड़ी ने 38 ओवर फेंककर कुल 144 रन दिए और पांच विकेट निकाले। इसके विपरीत पेस गेंदबाजों ने 12 ओवर फेंककर 104 रन दिए और एक विकेट निकाला। इससे यह तो साबित होता है कि भारतीय टीम अब रणनीति बनाने में बाकी प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे है। हम सभी जानते हैं कि विश्व क्रिकेट आर्थिक तौर पर भारत पर बहुत निर्भर है, इसलिए फैसलों में भी भारतीय दबदबा दिखता रहा है। पर आईसीसी टूर्नामेंटों को जीतने के मामले में हम थोड़े पिछड़े हुए थे। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी को जीतने के बाद भारत एक दशक से ज्यादा समय तक आईसीसी ट्रॉफी जीतने में कामयाब नहीं रहा था। इस दौरान विराट कोहली और रवि शास्त्री की कप्तान और कोच की जोड़ी ने भारतीय परचम को दुनियाभर में तो लहरा दिया पर आईसीसी ट्रॉफी से दूरी को वह खत्म नहीं कर पाए, लेकिन रोहित शर्मा और द्रविड़ की जोड़ी ने भारत को टी-20 विश्व कप जिताया और अब गंभीर और रोहित की जोड़ी ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारत का विश्व क्रिकेट पर आर्थिक दबदबे के साथ क्रिकेटीय दबदबे को भी बना दिया है। भारत की इस सफलता से कप्तान रोहित शर्मा के आलोचकों को भी जवाब मिल गया है। वह जिस ताबड़कोड़ अंदाज में फाइनल में खेले, उससे वह यह दिखाने में कामयाब रहे कि उनमें अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। रोहित के साथ विराट ने भी दिखाया कि भारतीय सफलता में वह अभी भी योगदान देने वाले हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है।

बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना जरूरी है

संजय गोस्वामी

पृथ्वी के वायुमंडल के बाहर भी जीवन है ? इस बात की पड़ताल एस्ट्रोबायोलॉजी के अंतर्गत किया जाता है। एस्ट्रोबायोलॉजी के जानकार ही वायुमंडल के बाहर जीवन होने के रहस्य से पर्दा उठा सकते हैं, इसके पीछे छुपी होती है। इसी विषय पर अनुशक्ति नगर स्कूल 2में एक वार्ता का आयोजन किया गया एक विषय था *अदृश्य खगोल विज्ञान डेढ़ घंटे का एक वैज्ञानिक व्याख्यान 3 मार्च 2025 को सुबह 9:00 बजे, एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल 2, अणुशक्तिनगर, मुंबई-94 में डॉ. सुंदर सहायनाथन द्वारा एक विज्ञान वार्ता, का आयोजन किया गया उन्होंने उन्होंने बताता की ज्ञान के क्षेत्र में जनसामान्य की भागीदारी बढ़ाने और वैज्ञानिक शिक्षा में सुधार द्वारा अधिक कुशल श्रमशक्ति के विकास में मदद मिलती है।खगोल विज्ञान वैज्ञानिक शोध में वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे अर्जित ज्ञान को मौसम विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, एवं संचार व्यवस्था जैसे प्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्रों में आसानी से लागू किया जा सकता है। यह करने हेतु जिन उपकरणों की हमें आवश्यकता है वे महंगी भी नहीं है। यदि हम दूरसंवेदी डेटा से तुलना करें तो खगोल विज्ञान संबंधी डाटाबेस सस्ती भी हैं और सहज रूप से उपलब्ध भी हैं। तथापि आंकड़ों की प्रसंस्करण तकनीकें (मसलन, इमेज प्रोसेसिंग) दोनों ही मामलों में एक जैसी है। इनमें दूरबीन, स्पेक्ट्रोस्कोप इत्यादि बनाने के प्रशिक्षण से लेकर मौसम, चंद्र एवं सूर्यग्रहण इत्यादि जैसे खगोलीय अवधारणाओं की व्याख्या की जाती है। उच्च क्षमता वाली दूरबीनों की एक प्रणाली है जिससे गामा-किरणों की जाँच की जाती है। उदाहरण स्वरूप इस क्षेत्र के कुछ किसानों ने भी पर्यटकों के लिए अपने बागानों में शौकिया खगोलविदों के लिये छोटी दूरबीनों की स्थापना की है। खगोल विज्ञान का विकास और प्रसार औद्योगिक और वैज्ञानिक विकास की भी शुरूआत करता है खगोल विज्ञान संस्था द्वारा विज्ञान क्लब चलाना, शैक्षणिक सामग्री का वितरण एवं खगोल विज्ञान तथा भौतिकी के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का संयोजन करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते हैं।डॉ. सुंदर सहायनाथन 25 वर्षों से अधिक समय से बीएआरसी में के लिए काम कर रहे हैं। वे एक खगोल भौतिकीविद् और उनका काम शोध कार्य से ज्यादा सक्रिय आकाशगंगाओं पर है। उनके काम काफी हद तक सैद्धांतिक प्रकृति से सम्बंधित है। वे टीआईएफआर, आईयूसीएए, आईआईए और कश्मीर विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय और कालीकट विश्वविद्यालय जैसे कई भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ वैज्ञानिक कार्य से जुड़े रहें हैं। इन संस्थानों से 10 से अधिक पीएच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया है। इसमें उप प्रधानाचार्य श्री देश राज किशाना ने उनका स्वागत किया। तदुपरांत लेक्चर समाप्त होने पर उन्हें एक मोमेंटो देकर भी सम्मानित किया गया साथ में एक गमले में तुलसी जी का पौधा भी प्रधानाचार्य द्वारा दिया गया। फूलों का गुलदस्ता और डायरी नवीन त्रिपाठी ने अरेंज किया था इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री एन सी शर्मा (संयोजक), श्री बी एन मिश्रा, और राजकमल गौतम,स्कूल के शिक्षक सुधीर पालकर.वी पी वर्गीश, गीता मैम, संगीता काकरे आदि ने बच्चों को इस विज्ञान वार्ता को सफल बनाया बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह उन्हें दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, समस्याओं को हल करने और भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय दबदबे का मंचन

मनोज चतुर्वेदी

देश में दिवाली एक हफ्ते पहले ही आ गई। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन बनते ही देशभर में आकाश पटाखों की आवाज से गूंज गया।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अभी कुछ माह पहले आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने पर जिस तरह भावुक हो गए थे, वैसे इस सफलता पर भावुक तो नहीं हुए पर खुशी जबर्दस्त दिखी। उन्होंने अपने साथ कई सफलताओं के साथी विराट कोहली के साथ स्टंप हाथ में लेकर डांडिया खेलना शुरू कर दिया।

भारतीय टीम ने सफेद गेंद से जिस तरह से पिछले कुछ समय में प्रदर्शन किया है, वह उसके विश्व क्रिकेट पर दबदबे की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत ने जब 2023 में घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी क्षमता को प्रदर्शित नहीं कर सका था। उस समय में यह कहा जाने लगा था कि हम यह भूल गए हैं कि खिताब कैसे जीता जाता है। इसकी वजह भारत के हाथ से कई बार खिताब फिसलते देखा गया था। पर अब भारत के एक साल से भी कम समय में दो आईसीसी खिताब जीतने से लगता है कि वह अब जीतने का फामरूला पाने में सफल हो गया है।

यह फामूर्ला कितने समय तक कारगर रहता है, यह देखने वाली बात होगी। भारत के पास आईसीसी के चार खिताबों में से दो पर कब्जा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए वह इस बार क्वालिफाई नहीं कर सका है। इसकी वजह घर में न्यूजीलैंड से सीरीज में सफाया कराने और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में सीरीज हाराना रही। भारत को अब इन दोनों खिताबों पर कब्जा करने के लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि आईसीसी वनडे विश्व कप का 2027 में आयोजन होना है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अगली साइकिल भी तब तक ही खत्म होगी।

न्यूजीलैंड पिछले कुछ वर्षों में भारत के तगड़ी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरकर सामने आई है। इस फाइनल में भी जब उसने भारत के तीन विकेट फटाफट निकाल दिए थे, तो भारतीय कैंप में हड़कंप मच गया और एकदम से खामोशी छा गई। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीज 105 रन की साझेदारी बनने से मैच के एकतरफा बनने के संकेत मिल ही रहे थे कि अगले 17 रनों में तीन विकेट निकल जाने से लगा कि कहीं मैच पलटने तो नहीं जा रहा है। पर इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके भारत को खिताब तक पहुंचा दिया। असल में भारत के चार स्पिनर खिलाने के फैसले और इनमें दो अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के बल्लेबाज होने से भारत की बल्लेबाजी में बहुत गहराई आ गई थी।

इसका भारत को हमेशा फायदा मिला और शुरूआती विकेट जल्दी निकल जाने तक भी बड़ा स्कोर खड़ा करने की संभावनाएं बनी रहती थीं। यह साल ऐसा है, जिसने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जिंदगी के दोनों पक्ष दिखाए हैं। यहां एक और वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सफलता के मायने में महेंद्र सिंह धोनी से सिर्फ एक कदम ही पीछे हैं। वहीं दूसरी तरफ साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब फॉर्म की वजह से सिडनी टेस्ट में खुद को टीम से बाहर कर लिया था। यह वह समय था, जब उनकी कप्तानी के साथ कॅरियर पर सवालिया निशान लग रहे थे, लेकिन इस सफलता ने आलोचकों के मुंह पर ताला जड़ दिया है। सच में फाइनल में जिस तरह से उन्होंने 76 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत की राह बनाई, उससे क्रिकेट जगत उनका मुरीद बन गया है।

धोनी ने एक कप्तान के रूप में आईसीसी वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी-20 विश्व कप जीतकर अपने को भारतीय कप्तानों में शिखर पर पहुंचा दिया है। रोहित से अब सिर्फ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी वनडे विश्व कप ही दूर है। वह यदि 2027 तक खेल सके तो वह देश के सफलतम कप्तान बन सकते हैं। रोहित 2022 से पहले विकेट पर टिकने के बाद ताबड़तोड़ करने में विश्वास रखते थे, लेकिन अब वह पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने में विश्वास रखते हैं। उनके इस तरीके से सामने वाले अटैक की समझ में नहीं आता है कि वह करें तो क्या? फाइनल में ही ऐसा कुछ हुआ। उन्होंने 83 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों से 76 रन बनाकर भारत को एकतरफा जीत की तरफ बढ़ा दिया था। पर रचिन रविंद्र की एक गेंद पर बेवजह आगे निकलकर खेलने के प्रयास स्टंप होकर भारत को कुछ समय के लिए मुश्किल में डाला।

भारत बल्लेबाजी में गहराई की वजह से जीत गया पर रोहित ने ऐसा नहीं किया होता तो वह फाइल में शतक बनाने वाले बनने के साथ और सहजता से टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे। रोहित की इस पारी और कोहली के पाकिस्तान के खिलाफ जीत में जमाए शतक से अब इन दो दिग्गजों के संन्यास के लिए दबाव बनाने वाले आलोचकों के मुंह जरूर सिल गए हैं। इस तथ्य से सभी वाकिफ हैं कि भारत की जीत के लिए इन दोनों का चलना बेहद जरूरी है। यह सही है कि हर खिलाड़ी को एक न एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है पर जब खिलाड़ी अच्छा खेल रहा हो तो उस पर छोड़ने के लिए दबाव बनाने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता है।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति द्वारा जनपद बुलन्दशहर व हापुड़ के अधिकारियो के साथ की गई बैठक

आज का मुद्दा आशीष कुमार

बुलन्दशहर : जिला पंचायत सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति के कार्य0 सभापति डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह (गुरु जी) की अध्यक्षता में जनपद बुलन्दशहर व हापुड़ के अधिकारियो के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में सभापति ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसायीकरण की शिकायतो की जांच एवं शिक्षा क्षेत्र में बेहतर सुझाव के लिए उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्वारा शिक्षा का व्यवसायीकरण की जांच संबंधी समिति का गठन किया गया है। उन्होने कहा कि समिति के समक्ष जो भी सूचनाएं प्रस्तुत की जाये वह सत्य एवं तथ्यात्मक हो। बैठक में सभापति द्वारा सरकारी/प्राईवेट इंजीनियरिंग मैनेजमेंट कालेज/डिप्लोमा, आईटीआई एवं अन्य स्कूल व कॉलेजों की विस्तार से समीक्षा की गई। सभापति ने निर्देशित करते हुये कहा कि स्कूल व कॉलेजों में सरकार द्वारा निर्धारित फीस से अधिक वसूलने पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और सरकार द्वारा निर्धारित फीस स्कूल व कॉलेजों के बोर्ड पर चस्पा किया जाए जिससे सभी अभिभावकों व छात्रों को निर्धारित फीस के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया की शुल्क निर्धारित समिति की बैठक ससमय की जाए। बैठक में सभापति महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि काशनमनि वापसी करने हेतु अन्तिम वर्ष के परीक्षा से पूर्व प्रवेश पत्र वितरण के दौरान ही समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर ली

जाएं, जिससे परीक्षा उत्तीर्ण उपरान्त ही छात्र की काशनमनि वापस की जा सके। बैठक में सभापति महोदय द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि अधिकारीगण समय-समय पर स्कूल व कॉलेजों का निरीक्षण करते रहे और यह सुनिश्चित करें कि स्कूल व कॉलेजों में मान्यता से अधिक कक्षाएं संचालित तो नहीं है संचालित मिलने पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जो कालेज छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं करते है उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि यदि स्कूल व कालेजो में पढने वाले छात्र-छात्राओ के साथ कोई दुर्घटना हुई है तो इससे संबंधित सारी सूचना उपलब्ध कराई जाये। बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति ने छात्र-छात्राओ का सुरक्षा बीमा कराये जाने हेतु नियमावली व प्राविधिक शिक्षा हेतु नोडल अधिकारी बनाए जाने हेतु समिति से अनुरोध किया जिसपर समिति के सभापति ने कहा कि शीघ्र ही उक्त व्यवस्थाएं संचालित करा दी जाएगी।

बैठक में सभापति डॉ मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्कूल व कॉलेजों में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहन व अनफिट वाहन तथा बिना रजिस्ट्रेशन वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, साथ ही समस्त स्कूल व कॉलेजों के वाहनों में जी0पी0एस0 व सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगे हों,वाहन चालक व कन्डेक्टरो का पुलिस सत्यापन भी करा लिया जाए। जिससे छात्र-छात्राएं सुरक्षित महसूस कर सके। बैठक में सभापति द्वारा निर्देशित किया गया कि स्कूल व कॉलेजों का अधिकारीगण समय समय पर निरीक्षण करते रहे कि फस्ट एड बॉक्स मौजूद है या नहीं, मौजूद हैं तब संपूर्ण दवाएं मिलना चाहिए जिससे आकस्मिक स्थिति में चिकित्सा मिल सके साथ ही स्कूल व कॉलेजों में छात्रों का चिकित्सा परीक्षण कराया जाना सुनिश्चित करें, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य ठीक बना रहे। आर0टी0ई0 योजना के अंतर्गत निशुल्क चयनित छात्रों का निःशुल्क प्रवेश शतप्रतिशत कराया जाना सुनिश्चित करें। जिससे अन्तिम पायदान के व्यक्ति के बच्चे को शिक्षा मिल सके। साथ ही बैठक में सभापति द्वारा स्कूल व कॉलेजों के नजदीक पान, पान मसाला व शराब की दुकानें न संचालित हो यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही होली से पूर्व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मानदेय व मृतक आश्रित से सम्बन्धित कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

अब कंप्यूटर से बंद और चालू होंगी स्ट्रीट लाइटें, खराब होने पर तुरंत मिलेगी जानकारी

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। दिन में स्ट्रीट लाइट जलने या खराब होने की सूचना अब अधिकारियों के पास तुरंत पहुंचेगी। इतना ही नहीं कंप्यूटर पर केवल एक क्लिक से लाइटों को बंद और चालू किया जा सकेगा। नगर निगम ने आधुनिक तकनीक से स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सिम आधारित पैनल लगवाया है, जिसकी मदद से कंप्यूटर से लाइटों को ऑन-ऑफ किया जा सकेगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एलिवेटेड रोड पर करीब 1,000 लाइटों में आधुनिक पैनल लगाए गए हैं, जिसके माध्यम से समय से लाइटों को निर्धारित समय से चालू और बंद किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि एलिवेटेड रोड की एक हजार लाइटों को कंप्यूटराइज किया गया है। इसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स के आधार पर लाइटों के कंप्यूटराइज ऑन-ऑफ के पैनल लगाए गए हैं। इस प्रकार रियल टाइम मॉनिटरिंग भी बढ़ रही है कोई भी लाइट का फेस ऊपर नीचे होता है, तो उसका भी कंट्रोल इस पैनल के माध्यम से किया जा सकेगा। लाइट का लोड बढ़ने पर भी पैनल के माध्यम से कंट्रोल बना रहता है, जिससे लाइटों के खराब होने की कम आशंका रहती है। एलिवेटेड रोड के बाद नागद्वार से हिंडन एयरपोर्ट तक की लाइटों को भी पैनल से जोड़ने की तैयारी चल रही है। सह प्रभारी आश कुमार ने बताया कि जीडीए के समय में एलिवेटेड रोड पर लाइटों के लिए लगे पैनल मैन्युअल ऑपरेट होते थे, इसको आधुनिक पैनल से जोड़ा गया है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा लगाई गई एलिवेटेड पर लाइटों के पैनल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इनको बदलते हुए आधुनिक तकनीकी के क्रम में कंप्यूटराइज्ड किया गया है। इसके माध्यम से बिजली खपत की स्थिति भी संबंधित अधिकारी देख सकते हैं।

लखनऊ नगर निगम में घमासान, मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ क्यों हुई कार्यकारिणी

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की नगर सरकार में उथल-पुथल मच गई है। नगर निगम के इतिहास में पहली बार मेयर सुषमा खर्कवाल की ओर से बुलाई गई कार्यकारणी की बैठक कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित करनी पड़ी। फिजूलखर्ची को लेकर कार्यकारिणी में शामिल बीजेपी के पार्षदों ने ही सोमवार को बैठक का बहिष्कार कर दिया। आरोप लगाया कि मेयर किसी भी सदस्य की बात नहीं सुनती हैं। जबकि विकास कार्य न होने से जनता की नाराजगी पार्षदों को झेलनी पड़ती है। ऐसे हालात में नगर निकाय चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीजेपी कार्यकारिणी के सदस्यों समेत पार्टी के अन्य पार्षदों ने सोमवार को निवर्तमान महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी से मिलकर ऐसी शिकायतें दर्ज करवाईं।

दिल्ली वालों के लिए गुड न्यूज, अब सड़कों की जिम्मेदारी लेंगे ढहऊके अफसर

(के0जी0 शर्मा) नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पहली बार ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अधिकारी अब शहर की अलग-अलग सड़कों की निगरानी और उनका रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजधानी में सड़कों की खराब स्थिति से निपटने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि अधीक्षण अभियंता स्तर तक के लोक निर्माण विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को विभाग की कम से कम एक सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी लेनी होगी। अधिकारी ने कहा कि अधीक्षण अभियंता के पद तक के पीडब्ल्यूडी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी पसंद की कम से कम एक पीडब्ल्यूडी सड़क को अपनाने का निर्देश देने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय विभाग ने लिया है। अधिकारियों के नाम वाली एक एक्सेल शीट साझा की गई है और अधिकारियों से सात दिन में अपनी पसंद की सड़क बताने को कहा गया है।

चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने की पहल

उत्तर प्रदेश : भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल, 2025 तक अपने सुझाव मांगे हैं। ये सुझाव निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों या मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के स्तर पर दिए जा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने पिछले सप्ताह के सम्मेलन में सभी राज्यों के अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने राजनीतिक दलों के साथ नियमित संवाद स्थापित करने का आदेश दिया। साथ ही, इन बैठकों में मिले सुझावों को मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर समाधान करने को कहा। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को एक पत्र भेजा है। इसमें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, और निर्वाचनों का संचालन नियम 1961 का जिक्र किया गया है। आयोग ने बताया कि इन नियमों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का एक मजबूत ढांचा तैयार हुआ है। राजनीतिक दल चुनावी प्रक्रिया के 28 प्रमुख हितधारकों में से एक हैं। आयोग ने सभी दलों से इस विकेंद्रीकृत तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 31 मार्च, 2025 तक कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है।

टप्पेबाज गिरोह का खुलासा, एक दंपति को किया गिरफ्तार

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड के थाना पिलखुवा पुलिस ने धोखाधडी व टप्पेबाजी कर भोले-भाले लोगों से नकली आभूषणों को बेचकर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियो के कब्जे से ठगी के 1,02,000/- रुपये नकद व टप्पेबाजी के दौरान दुकान से खरीदी गई चादर बरामद की है। आरोपी जनपद शामली के थाना बाबरी के गांव बुटराडा का गणेश व उसकी पत्नी शांति है। गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके द्वारा रास्ते व बाजारों में घूम फिरकर भोले-भाले लोगों,दुकानदारों को चिन्हित कर चालाकी से उन्हें बातों में उलझाकर नकली आभूषण बेचकर ठगी,टप्पेबाजी जैसी घटनाएं कारित की जाती थीं।पुलिस ने टप्पेबाजों को जेल भेज दिया है।

हापुड़ में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल, पुलिस की मौजूदगी में फूलो की खेली होली, भाईचारे का दिया संदेश

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ के गांव भमैंडा में मंगलवार शाम को हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। बाबूगढ़ थाना प्रभारी विजय गुप्ता पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। आसपास के गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने एक-दूसरे पर फूल बरसाकर होली का त्योहार मनाया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस क्षेत्र में वर्षों से सभी धर्म के लोग मिलजुलकर होली मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां सदियों से कायम भाईचारा आगे भी बना रहेगा। इस बात का सभी ने संकल्प लिया। इस साल एक खास संयोग है कि 14 मार्च को होली और जुम्मा एक ही दिन पड़ रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि इस संयोग का यहां के सामाजिक ताने-बाने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि यहां के लोग सभी त्योहारों को मिलजुलकर मनाते हैं। पुलिस प्रशासन असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रख रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मधुमक्खी पालक अपनी समस्याओं को लेकर ऐपिस इंडिया लिमिटेड कंपनी मांगरोल जिला हरिद्वार को रवाना

आज का मुद्दा बुलंदशहर बुलंदशहर के सभी मधुमक्खी पालक अपनी मांगों को लेकर ऐपिस इंडिया लिमिटेड मंगलौर को रवाना हुए जिला अध्यक्ष सरदार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के लगभग तीन दर्जन से अधिक मधुमक्खी पालक अपनी अपनी मांगों को लेकर मधु क्रांति के संस्थापक राजेश जाखड़ के आवाहन पर 10 मार्च को विशाल धरना के लिए भारत में लगभग सभी कंपनियों पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं सरदार सिंह ने बताया कि हम सभी मधुमक्खी पालक मंगलौर रुड़की रोड स्थित ऐपिस इंडिया कंपनी का घेराव करेंगे और अपनी अपनी मांगों को लेकर कंपनी के पदाधिकारी से वार्ता करके मधुमक्खी पालकों की समस्याओं का निस्तारण के लिए विचार विमर्श करेंगे प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के अध्यक्ष मास्टर शाहिद सैफी ने बताया कि एक तरफ केंद्र सरकार मधुमक्खी पालन के लिए बड़े-बड़े अनुदान दे रही है लेकिन दूसरी तरफ शहद कंपनियों ने शहद में मिलावट करके आम जनता के जीवन से खिलवाड़ कर रही है अगर ऐसा ही होता रहा तो वो दिन दूर नहीं है कि हमारे देश हर हर व्यक्ति के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा इसलिए आज हम राजेश जाखड़ के आवाहन पर सभी कंपनियों की गेटों पर धरने पर बैठे हैं कि केंद्र सरकार हमारी बात सुने ताकि इन मिलावट खोरों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए

खाद्य सुरक्षा टीम ने की छापेमारी, भरे 11 नमूने, जांच के लिए भेजे

आज का मुद्दा-हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा के निर्देशन में होली के पर्व के दृष्टिगत अधोहस्ताक्षरी के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वी.के.राठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम जिसमें आर.पी. गंगवार, प्रियंक श्रीवास्तव, सोवेन्द्र सिंह पंघाल, आर.पी.गुप्ता, सुश्री सहरिश सादात खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण सम्मिलित थे, द्वारा निम्न कार्यवाही की गयी। बिशन मावा भण्डार तगासराय से रबडी एवं खोया का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया एवं 60 किग्रा दूषित छैना नष्ट कराया गया। अशोका नमकीन कबाडी बाजार से नमकीन का एक नमूना संग्रहित किया गया। माकेर्टेड बाई मदर डेयरी दिल्ली, निमार्ता- टेरेस्टरियल फूड लि0 हसनपुर अमरोहा के टैंकर से दूध का एक नमूना संग्रहित किया गया। पप्पू अली के ग्राम रझैटी गढमुक्तेश्वर हापुड स्थित रसगुल्ला निर्माण इकाई से सफेद रसगुल्ला का एक नमूना संग्रहित किया गया। लाल मौहम्मद के ग्राम रझैटी गढमुक्तेश्वर हापुड स्थित रसगुल्ला निर्माण इकाई से गुलाब जामुन व रसभरी का एक-एक नमूना संग्रहित किया गया। वनीत के प्रतिष्ठान ग्राम बडौदा सिहानी से खोया का एक नमूना संग्रहित किया गया। किशन चन्द के प्रतिष्ठान ग्राम बनखण्डा हापुड से मिल्क क्रीम के दो नमूने संग्रहित किये गये।

तुषार किराना स्टोर ग्राम बनखण्डा हापुड से पनीर का एक नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार कुल 11 नमूने संग्रहित किये गये उक्त समस्त नमूनो को वास्ते जाँच खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

होली के दिन जुम्मे की नमाज का समय तय

उत्तर प्रदेश : बुगरासी में होली और जुम्मे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नरसेना थानाध्यक्ष रितेश सिंह ने मंगलवार को बुगरासी चौकी प्रांगण में मौलानाओं के साथ बैठक की।थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि होली के दिन दोपहर 2 बजे से पहले कोई भी नमाज न पढ़े। उन्होंने धर्म गुरुओं से मस्जिदों में यह घोषणा करने की अपील की। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि होली का त्योहार दोपहर 2 बजे तक पूरा कर लिया जाएगा। सिंह ने कहा कि कुछ शरारती तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। पुलिस ऐसे लोगों पर कड़ी नजर रखेगी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचेगी और कार्रवाई करेगी। थानाध्यक्ष ने दोनों समुदायों से त्योहारों को सद्भावना के साथ मनाने की अपील की। बैठक में मजहर हुसैन, फैज खां, मोहम्मद सादिक, मोहम्मद अजमल, मोहम्मद उमर, कैफ बिलाल, काजिया अहमद अली सहित कई मौलवी उपस्थित थे।

बुलंदशहर पुलिस की बड़ी कामयाबी

आज का मुद्दा बुलंदशहर में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। कोतवाली नगर पुलिस टीम ने खोए हुए 16 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को वापस कर दिए हैं। इन मोबाइल फोन की कीमत लगभग 2 लाख 77 हजार रुपये है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एएक्स पोर्टल (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) के माध्यम से पुलिस को खोए हुए मोबाइल फोन की शिकायतें मिली थीं। कोतवाली नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन मोबाइल फोन को बरामद किया। 11 मार्च को सहायक पुलिस अधीक्षक नगर ने सभी मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंप दिए। बरामद किए गए मोबाइल में ओप्पो, विवो, रेडमी, रियलमी, सैमसंग और अन्य कंपनियों के फोन शामिल हैं। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह राठौर के साथ कांस्टेबल शैलेंद्र यादव, लवली, सुनील कुमार और ऋषभ यादव की टीम शामिल थी। मोबाइल मालिकों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। आम जनता भी बुलंदशहर पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा कर रही है।

कुड़े के ढेर पर मिला मासूम नवजात, अस्पताल में कराया भर्ती

आज का मुद्दा हापुड़। जनपद हापुड़ के पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में एक कूड़ा बीनने वाली मजदूर की सतर्कता के कारण एक नवजात बच्चे की जान बच गई। नवजात को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। असम निवासी मोहम्मद कूड़ा बीनने का काम करता है। मंगलवार को वह कूड़ा बीनते बीनते ग्राम दहपा के पास स्थित एक कूड़े के ढेर पर पहुंचा तो वहां उसे एक नवजात के रोने की आवास सुनाई दी। आवाज सुनने ही घबरा गया और पास जाकर देखा तो एक मासूम नवजात पड़ा था। मोहम्मद ने बच्चे को उठाया और आसपास के लोगों से बच्चे के बारे में जानकारी की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद वह नवजात को लेकर अपने घर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। नवजात के मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्स उसका उपचार कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया की आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेड खंगाली जा रही है। विभिन्न बिंदुओं को ध्यान में रख जांच की जा रही है। प्रयास है कि जल्द ही नवजात के बारे में जानकारी हो सके।

शिक्षा प्रसार समिति चुनाव, प्रबंध समिति के लिए 138 मतदाताओ की सूची जारी हुई, 13 अप्रैल को होगा मतदान

आज का मुद्दा-हापुड़। शहर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था एसएसवी डिग्री व इंटर कालेज की प्रबंध समिति के चुनाव का बिगुल बज गया है। इनका संचालन करने वाली शिक्षा प्रसार समिति के चुनाव को लेकर दोनों गुटों ने संपर्क कर अपनी शक्ति बढ़ाने के प्रयास आरंभ कर दिए हैं। इनके लिए मतदाता सूची का प्रकाशन मंगलवार को हो गया है। 13 अप्रैल को मतदान और 14 अप्रैल को मतगणना होगी। जानकारी के अनुसार हापुड़ की दिल्ली रोड पर स्थित एसएससी डिग्री कॉलेज और इंटर कॉलेज का संचालन करने वाली शिक्षा प्रसार समिति की मतदाता सूची का प्रकाशन मंगलवार को हो गया 138 मतदाताओं की सूची महाविद्यालय में चश्पा की गई मुख्य चुनाव अधिकारी प्रोफेसर नवीन चंद्र सिंह

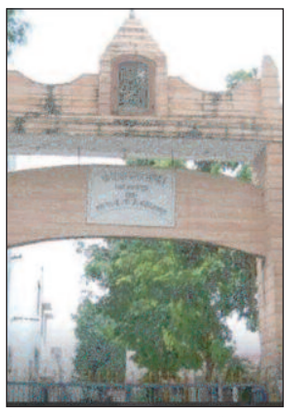

ने बताया कि मंगलवार को सुबह 11:00 बजे 11:38 मतदाताओं की सूची महाविद्यालय में चश्मा की गई है चुनाव अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम घोषित हो चुका है 13 अप्रैल को मतदान और 14 अप्रैल को मतगणना होगी चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

होली और रमजान के जुमे पर सुरक्षा कड़ी, हुड़दंग करने पर होगी कार्यवाही

आज का मुद्दा हापुड़। हापुड़ में होली और रमजान का दूसरा जुमा एक ही दिन पड़ने के कारण पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। जिले को सुरक्षा की दृष्टि से चार जोन और 11 सेक्टर में बांटा गया है। आसमान में ड्रोन से निगरानी की जाएगी। जबकि 2 हजार पुलिस कर्मी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। बता दें कि होली व ईद के मद्देनजर मंगलवार को जनपद भर में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में फ्लैग मार्च किया और ड्रोन कैमरे की मदद से निगरानी की। आगामी त्योहार होली व ईद को सकुशल सम्पन्न कराए जाने व जनपद में कानून एवं शांति व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जनता में सुरक्षा का भाव जागृत करने के उद्देश्य से थाना बहादुरगढ़, हापुड़ देहात व गढ़मुक्तेश्वर पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में मंगलवार को

फ्लैग मार्च किया गया एवं ड्रोन कैमरे से चैकिंग की गई। पुलिस ने बाजारों सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्थाओ को भी देखा। पुलिस ने दुकानदारो से कहा है कि सीसीटीवी राउंड दी क्लाक चालू रहें। एसपी केजी सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक सुपर जोन का भी गठन किया गया है। सभी जोन में एसडीएम को प्रभारी बनाया गया है। सेक्टरों में भी अलग से प्रभारियों की तैनाती की गई है। जिले में 665 चिन्हित स्थानों पर शांतिपूर्वक होलिका दहन संपन्न हुआ। पुलिस बल और मजिस्ट्रेटों को अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। बाजारों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मनचलों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। शराब पीकर वाहन चलाने या किसी प्रकार का हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पक्का बाग, अतरपुरा, एसएसवी पुलिस चौकी, साइलो प्रथम, जदीद, बाईपास, ततारपुर बाईपास और फ्रीगंज रोड पर विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी थाना प्रभारियों और सीओ को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप. मु. सं. एवंदू. अभि. नि./सी.डब्लू., नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निर्धारित प्रपत्र पर सील्ड सिंगल पैकेट प्रणाली निविदा फार्म एस्टब्लिशड कॉन्ट्रैक्टर्स जिनके पास सीमिलर नेचर का कार्य का अनुभव है एवं जो संतोषजनक न्यूनतम एलिजिबिलिटी क्राईटेरिआ फुल फिल करते है, निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा आमंत्रित कर रहा है।

कार्य का नाम एवं स्थान	उत्तर रेलवे के रोजा – सीतापुर दोहरीकरण के सम्बन्ध में रोजा जंक्शन स्टेशन (चरण–III) पर मेधा के ईआई में संशोधन का प्रावधान।				
पूरा होने की अवधि	06 महीना (अनुबन्ध पत्र जारी होने की तिथी से)	**कार्य की अनुमानित लागत**	₹114 लाख (अनुमानित)	**धरोहर राशि**	₹2,07,000/- (रूपए दो लाख सात हजार केवल) (केवल ऑनलाइन जमा किया जाना है)
निविदा खुलने की तारीख एवं समय	निविदा कर्ता केवल ई– निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक **07.04.2025** को **11:30** बजे तक **IREPS** की वेव साइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड करे। निविदा दिनांक **07.04.2025** को **11:30** बजे के बाद खोला जाएगा				
स्थान जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है।	उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज–**IREPS** की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक **13.03.2025** से **11:30** बजे दिनांक **07.04.2025** तक **IREPS** की वेव साइट **www.ireps.gov.in** पर उप्लब्ध रहेगा, दिनांक **13.03.2025** से **07.04.2025** को **11:30** बजे तक निविदा में भाग लेने के लिये निविदा डालने से पहले, निविदा कर्ता जो उपरोक्त वेब साइट पर निविदा में भाग लेने के लिए इच्छुक हैं रजिस्टर होने की सलाह दी जाती है। निविदाकर्ता को आई टी अधिनियम **2000** के तहत क्लास सी.सी.ए.III डिजिट्ल प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा (अगर पहले से नहीं लिया है) उपरोक्त ई–निविदा की सभी नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा नोटिस का विवरण उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।				

संख्याः 178-सिग/सी.डब्लू./32/112 दिनांक: 11.03.2025 764/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

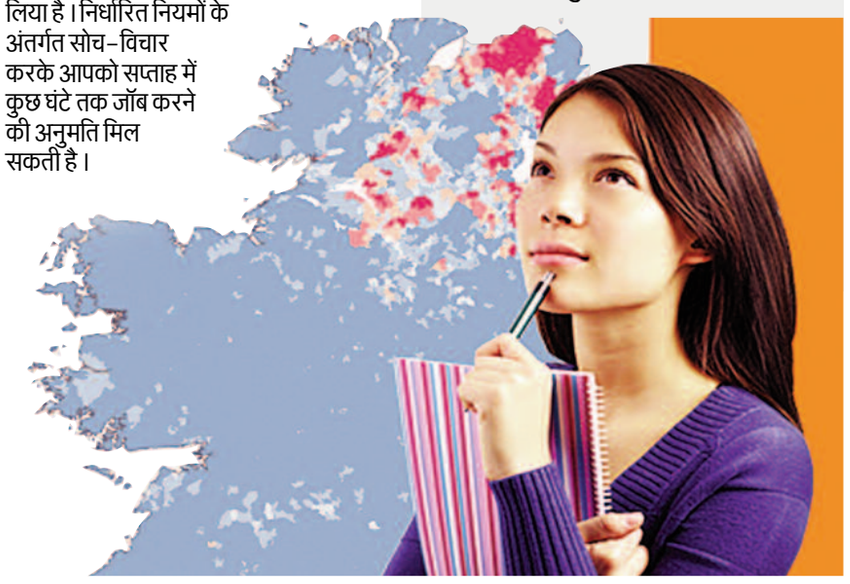

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

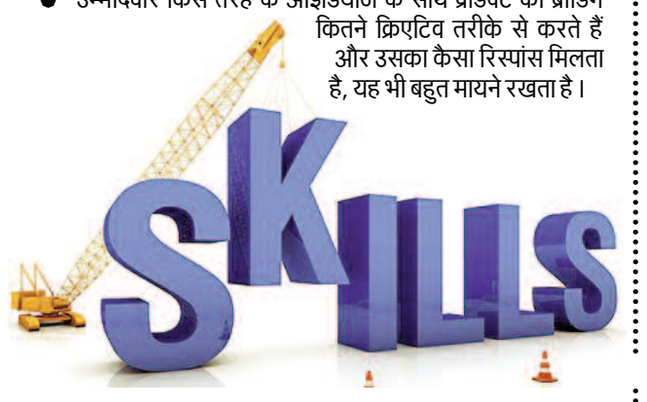

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रैश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

होली त्यौहार–2025 के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा नियमित रेलगाड़ियों के अलावा विभिन्न विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जा रहा है। इन विशेष रेलगाड़ियों का दिल्ली क्षेत्र के स्टेशनों से तिथिवार संचालन निम्नानुसार हैः–

दिनांक 12.03.2025 (बुधवार) को दिल्ली क्षेत्र से प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	ठहराव
04062	दिल्ली जं.	23:55	पटना जं.	16:40	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया जं	00:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।
09004	दिल्ली जं.	13:05	मुंबई सेन्ट्रल	13:30	दिल्ली कैंट, गुड़गांव, रेवाडी जं., अलवर, बांदीकुई जं., गांधीनगर जयपुर, जयपुर जं., किशनगढ़, अजमेर जं., ब्यावर, मारवाड़ जं., फालना, पिंडवाड़ा, आबू रोड, पालनपुर जं., महेसाणा जं., साबरमती बीजी, वडोदरा जं., उधना जं., वलसाड, वापी और बोरीवली स्टेशन।
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:40	सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र जं., अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी और शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन।
04068	नई दिल्ली	14:00	भागलपुर	13:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा, हाथीदह जं., लक्खीसराय जं., किउल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. और सुल्तानगंज स्टेशन।
02436	नई दिल्ली	08:30	पटना जं.	20:10	गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा स्टेशन।
02394	नई दिल्ली	13:20	राजेन्द्र नगर	07:45	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर और पटना जं. स्टेशन।
04072	नई दिल्ली	14:45	कटिहार जं.	14:00	दिल्ली जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगू सराय, खगड़िया और मानसी स्टेशन
04076	नई दिल्ली	19:15	कामाख्या जं.	08:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूच बिहार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड और रंगिया जं स्टेशन
05578	आनन्द विहार (ट.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जंक्शन, सकरी जंक्शन, झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी स्टेशन।
05306	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा	22:50	इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, मनकापुर जं., बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन और सीवान जंक्शन स्टेशन।
04074	आनन्द विहार (ट.)	19:00	जोगबनी	23:00	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णियाँ जं., अररिया जं. और फारबिसगंज जं. स्टेशन
दिनांक 13.03.2025 (बृहस्पतिवार) को दिल्ली क्षेत्र से प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची					
04024	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन और मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन स्टेशन।
04026	दिल्ली जं.	23:05	रक्सौल जं.	19:00	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर और नरकटियागंज जंक्शन स्टेशन।
04062	दिल्ली जं.	23:55	पटना जं.	16:40	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया जं	00:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।
04064	नई दिल्ली	09:30	गया जं	01:50	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम और डेहरी–ऑन–सोन स्टेशन।
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जं.	22:00	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जं., सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर , जं., समस्तीपुर जं., दलसिंहसराय, बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं. और मानसी जंक्शन स्टेशन।
02436	नई दिल्ली	08:30	पटना जं.	20:10	गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा स्टेशन।
02394	नई दिल्ली	13:20	राजेन्द्र नगर	07:45	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर और पटना जं. स्टेशन।
04078	नई दिल्ली	14:45	कटिहार जं.	14:00	दिल्ली जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगू सराय, खगड़िया और मानसी स्टेशन
04084	नई दिल्ली	19:15	कामाख्या जं.	08:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूच बिहार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड और रंगिया जं स्टेशन
04014	आनन्द विहार (ट.)	05:00	जयनगर	12:00	मुरादाबाद जं., बरेली जं., लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर पाटलिपुत्र, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जंक्शन और मधुबनी स्टेशन
04028	आनन्द विहार (ट.)	23:55	जोगबनी	03:00	गाजियाबाद, मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय, खगड़िया जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया, अररिया और फोर्ब्सगंज स्टेशन।
05578	आनन्द विहार (ट.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जंक्शन, सकरी जंक्शन, झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी स्टेशन।
05114	आनन्द विहार (ट.)	16:00	छपरा	14:00	मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, दिघवा दुबौली, मशरख और छपरा कचहरी स्टेशन।
03012	आनन्द विहार (ट.)	00:30	हावड़ा	03:00	टूंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान और बैंडेल स्टेशन।
01708	आनन्द विहार (ट.)	18:05	जबलपुर जं.	10:00	गाजियाबाद, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जंक्शन, शंकरगढ़, मानिकपुर जंक्शन, सतना, मैहर और कटनी स्टेशन।
04080	आनन्द विहार (ट.)	19:00	जोगबनी	23:00	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णियाँ जं., अररिया जं. और फारबिसगंज जं. स्टेशन
08761	हज़रत निज़्जामुद्दीन	12:30	दुर्ग	13:50	मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी), सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, उमरिया, शहडोल, अनुपपुर जंक्शन, पेंड्रा रोड, उसलापुर और रायपुर जंक्शन स्टेशन।
दिनांक 14.03.2025 (शुक्रवार) को दिल्ली क्षेत्र से प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची					
04012	दिल्ली जं.	19:30	दरभंगा	16:30	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर जं., नरकटियागंज, रक्सौल, बैरगनिया, सीतामढी और जनकपुर रोड स्टेशन।
04062	दिल्ली जं.	23:55	पटना जं.	16:40	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन
05058	दिल्ली जं.	14:00	गोरखपुर जं.	06:25	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती और खलीलाबाद स्टेशन।
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया जं.	00:30	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन।
04146	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदार गंज	19:40	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी और फ़तेहपुर स्टेशन।
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर जं.	05:00	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, गोंडा जं. और बस्ती स्टेशन।
02436	नई दिल्ली	08:30	पटना जं.	20:10	गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशन।
04070	आनन्द विहार (ट.)	00:20	राजगीर	19:50	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पडित दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं. एवं बिहार शरीफ जं. स्टेशन।
04018	आनन्द विहार (ट.)	09:00	मुजफ्फरपुर जं.	06:00	मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., नरकटियागंज जं., सगौली जं. और बापूधाम मोतिहारी स्टेशन।
04016	आनन्द विहार (ट.)	00:30	सीतामढ़ी	02:00	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, रायबरेली, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी जं., औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं. और मुजफ्फरपुर जं. स्टेशन।
03256	आनन्द विहार (ट.)	23:30	पटना जं.	18:35	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।
05578	आनन्द विहार (ट.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जंक्शन, सकरी जंक्शन, झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी स्टेशन।
05204	आनन्द विहार (ट.)	09:20	मुज़फ्फरपुर जं.	05:00	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जंक्शन और हाजीपुर जंक्शन स्टेशन।
07708	हज़रत निज़्जामुद्दीन	03:15	चर्लपल्ली	09:30	आगरा कैंट, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी), बीना जंक्शन, रानी कमलापति (भोपाल), नागपुर, चंद्रपुर महाराष्ट्र, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियल रामागुंडम और काजीपेट जं. स्टेशन.
02982	हज़रत निज़्जामुद्दीन	06:00	सोगरिया	13:10	मथुरा जंक्शन, भरतपुर जंक्शन, बयाना जंक्शन, हिण्डौन सिटी, गंगापुर सिटी और सवाई माधोपुर स्टेशन।

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल एवं गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES App** देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

बहराइच ईंट से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या, दो समुदायों के बीच का मामला, गांव में पुलिस तैनात

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच जिले के बहादुरपुरवा गांव निवासी एक युवक को कुछ लोग मंगलवार को दूसरे गांव बुलाकर ले गए। जहां उस पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या की वारदात पुरानी रंजिश में अंजाम देने का आरोप लगा है। कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम पंचायत बहादुरपुरवा निवासी शमसुद्दीन उर्फ पहड़िया (35) को मंगलवार सुबह 11 बजे के आसपास कुछ लोगों ने फोन कर केशवापुर गांव बुलाया। जिस पर युवक बाइक से केशवापुर गांव पहुंचा। पत्नी सरवारी बेगम का कहना है कि केशवापुर गांव में पहुंचने पर मस्तराम, शंकर समेत चार से पांच लोगों ने ईंट से मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने तहरीर लेकर हत्या का केस दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की। साथ ही मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि परिवार के लोग एक साल से पुरानी रंजिश चलने और रंजिश में ही हत्या की वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। वहीं दो समुदाय का मामला होने के चलते गांव में पुलिस टीम तैनात कर दी गई है

भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा प्रदत्त योग को प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है : पुंडरीक गोस्वामी

(डॉ. गोपाल चतुवेर्दी) वृन्दावन। शहीद लक्ष्मण भवन में परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश की प्रेरणा एवं निमाई पाठशाला और वृंदा फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तृतीय अंतर्राष्ट्रीय योगा फेस्टिवल के अंतर्गत श्रीमद भागवत कथा के समापन के अवसर पर व्यास पीठ से सुविख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज ने कहा कि विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा प्रदत्त योग को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।वैष्णवाचार्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज ने कहा कि आज व्यक्ति अत्यंत तनाव और अवसाद की स्थिति में जीवन जी रहे हैं । आज के युग में जितनी भौतिक सुख सुविधाओं का प्रादुर्भाव हुआ है, उतनी ही मानसिक अशांति बढ़ी है। वर्तमान में विभिन्न जातियों , धर्मो और देशों में आपस में तनाव और दूरियां बढ़ रही हैं । समाज में नैतिक मूल्यों का पतन और ह्रास हो रहा है । उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनौतियों का सामना मात्र और मात्र योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा प्रदत्त योग को जीवन में आत्मसात किए जाने से किया जा सकता है।श्रीमदभागवत कथा के समापन पर सात दिन तक योग शिविर में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षार्थियों एवं निमाई पाठशाला के विद्यार्थियों को पुंडरीक गोस्वामी महाराज एवं वृंदा फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ मेघना चौधरी, मुख्य संयोजक कार्यक्रम डॉ. देव प्रकाश एवं कार्यक्रम संयोजक अरूण गोयल ने कऋकी शील्ड , प्रशस्ति पत्र एवं बैग किट प्रदान किए। कार्यक्रम के अंतर्गत संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं बृहद भंडारा भी हुआ।जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।इससे पूर्व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सुकृति गोस्वामी, श्रीमती रेणुका गोस्वामी, अपर जिला जज उमेश सिरोही, ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुवेर्दी, वैष्णवाचार्य मारुतिनंदन वागीश महाराज, अरुण गोयल, आशुतोष गुप्ता, आचार्य मनीष शुक्ला एवं डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन मुख्य कार्यक्रम संयोजक डॉ. देव प्रकाश ने किया।

श्याम निशान महोत्सव में भजनों की बरसात के साथ अबीर गुलाल उड़े

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा रिसिया में श्याम निशान महोत्सव के साथ भजनों की बरसात हुई,निशान शोभा यात्रा में अबीर गुलाल के साथ होली की धमाल में सब श्याम धुन पर झूम रहे थे। रिसिया के श्री संतोषी माता श्याम बाबा मंदिर पर निशान पूजन के साथ भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिनमे अर्पणा मिश्र और सांवरिया जी ने भजनों की बरसात कर दी,हारे के सहारे,श्री श्याम हमारे, आजा सांवरे सरकार,।भजनों ने खूब शमा बांधा, सुबह छप्पन भोग, फूलो की होली, इत्र की फुहार के बीच फाल्गुन की धमाल मचाते हुए रंग बिरंगे परिधानों में सजी महिलाए निशान हाथ में लेकर निकल पड़ी,यह निशान शोभा यात्रा श्री श्याम मंदिर से निकल कर कस्बे के विभिन्न मार्गो नानक पूरा,शास्त्री नगर,मोहम्मद नगर,इंदिरा नगर,ऋषि भूमि से देवी पूरा होते हुए वापस श्री श्याम मंदिर पर विश्राम लिया,वही पर श्री श्याम बाबा को निशान अर्पित किया गया।इसका आयोजन श्री संतोषी माता श्याम बाबा मंदिर और सहयोगी संस्था श्री श्याम सखी परिवार ने किया था। पुलिस व्यवस्था की कमान प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह के पास थी, इस अवसर पर चैयरमेन प्रतिनिधि अजितंजय भारतीय, राजेश निगम,अमित दोचानिया,प्रेम गोयल,राजेश गोयल,अनिल अग्रवाल, प्रियांशु गुप्ता,शशांक यज्ञ सैनी,रंजना मित्तल,बबली अग्रवाल,ज्योति गर्ग, संगीता दोचानिया,मीनू लाट,श्रुति बंसल सहित मोजूद रहे

बहराइच प्रभारी मंत्री ने जिले के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा बहराइच 11 मार्च। प्रदेश के मा. मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को देरशाम कलेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक के दौरान अनुपस्थित रहे अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी को निर्देश दिया कि सम्बन्धित को चेतावनी पत्र जारी करें तथा इसका उल्लेख उनकी चरित्र पंजिका में भी किया जाय। समीक्षा बैठक में विद्युत विभाग के अधिक्षण अभियन्ता के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए श्री शाही ने सम्बन्धित को चेतावनी जारी करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान अधि.अभि. विद्युत द्वारा बताया गया कि शहरी क्षेत्र में 24 घंटे के सापेक्ष 23.30 घटे तथा ग्रामीण क्षेत्र में 17.45 घंटे तक आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि ट्रासफार्मर खराबी की शिकायत का निस्तारण शहरी क्षेत्र में 24 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्र में 48 घंटे के अन्दर कर दिया जाता है। मा. मंत्री ने अधि.अभि. विद्युत से रू. 01 लाख से अधिक विद्युत बिल बकायेदारों तथा विधायक महसी सुरेश्वर सिंह ने रू. 05 लाख से अधिक विद्युत बिल के बकायेदारों की संख्या एंव उनके विरूद्ध की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी करने पर बताया गया कि रू. 01 अधिक बकायेदारों की संख्या लगभग 01 हजार तथा रू. 05 लाख से अधिक बकायेदारों की संख्या 12 है। अधि.अभि. ने यह भी बताया कि अधिवक्ता विनोद मिश्रा के 04 किलोवाट के कनेक्शन पर रू. 07 लाख बकाया है जो कि जनपद में सर्वाधिक है। जिनके विरूद्ध सेक्शन-3 के तहत नोटिस तामील कराकर कनेक्शन काट दिया गया है। श्री शाही ने जिले के तीनों खण्डों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि बकायेदारों से विद्युत बिल की वसूली कराना सुनिश्चित करें। विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर द्वारा विद्युत विहीन ग्रामों सलारपुर, मुर्तिहा एंव घुमनाभारू में विद्युतीकरण न किये जाने के सम्बन्ध में अधि.अभि. द्वारा अवगत कराया गया कि सौभाग्य योजना में टेन्डर हुआ है शीघ्र ही विद्युतीकरण करा दिया जायेगा। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप निदेशक कृषि द्वारा अवगत कराया गया कि पी.एम. कुसुम योजनान्तर्गत लक्ष्य 580 के सापेक्ष 198 सोलर पम्प के आवेदन-पत्र प्राप्त हुए है। श्री शाही द्वारा निर्देशित किया गया कि अभी पोर्टल खुला हुआ है जिले के अधिकाधिक इच्छुक कृषकों का पंजीकरण कराया जाय। श्री शाही ने निर्देश दिया कि जायद सीजन में गन्ने की खेती के साथ सहवर्ती मूगं, उडद, लौकी, तरोई एंव कददू आदि की खेती करने हेतु कृषकों को प्रेरित किया जाय।

झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू एनकाउंटर में ढेर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू को एनकाउंटर में ढेर किया गया है। झारखंड पुलिस अमन को रायपुर जेल से रिमांड पर रांची ले जा रही थी।तभी पलामू में टीम पर बम से हमला हुआ और अमन ने पुलिस राइफल छीनकर भागने की कोशिश की। इस दौरान वह मुठभेड़ में मारा गया। एक पुलिसकर्मी भी जख्मी हुआ है। पिछले दिनों बरियातू में कोयला ट्रांसपोर्टर को गोली मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने अमन गैंग के शूटर्स को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में अमन साहू को रायपुर जेल से रांची लाया जा रहा था गैंगस्टर अमन से रांची पूछताछ करना चाहती थी। हजारीबाग जिले में एनटीपीसी डीजीएम कुमार गौरव की हत्या के मामले में भी अमन से पूछताछ होनी थी। पुलिस ने बताया कि एनकाउंटर मंगलवार सुबह चैनपुर के अंधारी धौड़ा में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया, जब रांची पुलिस अमन को रायपुर से ला रही थी।पलामू में गैंगस्टर के साथियों ने बम से हमला किया। इससे पुलिस की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अमन ने पुलिसकर्मी से इंसास राइफल छीनकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी अमन को रुकने के लिए कहा। लेकिन भागते हुए अमन ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने अमन को मार गिराया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक जवान भी एनकाउंटर में जख्मी हुआ है।

सभी वादें पूरा करुंगा, लेकिन एक ही बजट में नहीं, विरोधियों को उमर का जबाव

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे अपनी पार्टी द्वारा चुनाव घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उन्होंने कभी यह वादा नहीं किया था कि वे एक बजट में ही उन्हें पूरा कर दूंगा। बजट पर चर्चा का जवाब देकर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस बजट के माध्यम से यह संदेश देना चाहते हैं कि वे सभी वादे पूरे करने को तैयार है। पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन की चिंताओं का जवाब देकर सीएम उमर ने कहा कि बजट का महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दिहाड़ी मजदूरों के मुद्दों पर उमर पीडीपी-बीजेपी के बजट भाषणों का हवाला देकर कहा कि उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने के लिए कुछ नहीं किया और उनके शासन में केवल 570 लोगों को नियमित किया। उन्होंने दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। सीएम उमर ने कहा कि उनका बजट जम्मू-कश्मीर के हर व्यक्ति और सभी राजनीतिक दलों के लिए एक प्रेम पत्र है। उन्होंने कहा, मैंने इसे एक प्रेम पत्र के रूप में स्वीकार किया है। यह भाजपा, पीसी, पीडीपी, एनसी, कांग्रेस के लिए एक प्रेम पत्र है।

मां वैष्णो देवी की यात्रा में मौसम डाल रहा खलल, चप्पे-चप्पे पर मदद को तैयार हैं जवान

कटड़ा (एजेंसी)। मां वैष्णो देवी की यात्रा जारी है। श्रद्धालुओं को ठंडी हवाओं का सामना करना पड़ रहा है, सोमवार को वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हुए श्रद्धालुओं को अपनी यात्रा के दौरान बारिश का सामना करना पड़ा। बदले मौसम को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर श्राइन बोर्ड प्रशासन के साथ ही पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान और आपदा प्रबंधन दल के अधिकारी तैनात हैं और यात्रा पर निगाह रखे हुए हैं। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा दिन में श्रद्धालुओं को उपलब्ध है। वहीं, बैटरी कार सेवा के साथ ही रोपवे केवल कार सेवा बिना किसी परेशानी के श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान इन सभी सेवाओं का श्रद्धालु लाभ उठाते नजर आए। वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा में थोड़ी बढोतरी हुई है। श्रद्धालु मां वैष्णो देवी की यात्रा करने के उपरांत कटड़ा में प्रसाद के रूम में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग खुश है। वर्तमान में जिस तरह से मौसम का मिजाज है उम्मीद है कि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान बारिश के साथ ही बर्फीली हवाओं का सामना भी करना पड़ सकता है। बीते 9 मार्च को 22635 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए। वहीं, 10 मार्च को करीब 12500 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा कर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। वहीं, जारी बारिश में अभी तक 11 लाख 10 हजार के करीब श्रद्धालु मां वैष्णो देवी की यात्रा कर चुके हैं।

रेलवे ट्रैक पर फंसी एंबुलेंस, 100 मीटर तक घसीटी गई, बड़ा हादसा टला

रायगढ़ा (एजेंसी)। ओड़िशा के रायगढ़ा-मलकानगिरी-कोरापुट रेल लाइन पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होने से पहले टल गया। दरअसल सिकरपाई और भालुमास्का स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी ने रेलवे ट्रैक पर फंसी एक एंबुलेंस को टक्कर मारते हुए करीब 100 मीटर दूर तक घसीटते हुए ले गई। गनीमत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, एक निजी आई हॉस्पिटल की एंबुलेंस जिसमें आठ मरीज सवार थे, रेलवे ट्रैक पर फंस गई। इसी बीच, एक मालगाड़ी ट्रैक पर आ गई और एंबुलेंस को टक्कर मारते हुए करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए आगे ले गई। हादसे के समय सतर्कता दिखाते हुए लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया, जिससे ट्रेन रुक गई और बड़ा हादसा होने से बच गया। इस एंबुलेंस में सवार मरीज आंखों की सर्जरी के लिए अनंता आई हॉस्पिटल जा रहे थे। उनके साथ एक आशा कार्यकर्ता भी मौजूद थीं। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। हुआ यह कि घटना होती उससे पहले ही एंबुलेंस में सवार सभी मरीज और ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल गए थे। इस घटना पर पूर्व तट रेलवे का कहना था कि लोको पायलट की सतर्कता के चलते बड़ा हादसा टल गया। रेलवे ने यह भी बताया कि दुर्घटनास्थल को 3 नवंबर 2024 को सुरक्षा के मद्देनजर घेराबंदी कर दी गई थी, लेकिन गांववालों ने अवैध रूप से इस बाड़ को हटा दिया था।

ओडिशा के इतिहास में पहली बार सता और विरोधी दल के विधायकों के बीच हाथपाई

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भाजपा विधायक जयनारायण मिश्र के विवादित बयान को लेकर खड़ा हुआ विवाद थम नहीं रहा है। ओडिशा के इतिहास में पहली बाहर शासक एवं विरोधी दल के विधायकों के बीच हाथापाई होने की घटना हुई है।

उत्तर प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्य के विधानसभा में शासक-विरोधी के बीच माइक फेंकने, मारपीट की घटना देखने में मिलती रही है। परन्तु पहली बार ओडिशा विधानसभा में इस तरह की स्थिति देखने को मिली है।

ओडिशा में पश्चिम ओडिशा के मिलने को ऐतिहासिक भूल होने की बात कुछ दिन पहले भाजपा विधायक मिश्र ने एक सरकारी सभा में कही थी। इसके साथ ही सभा में जब राज्य की गीत वंदे उत्कल जननी का गान चल रहा था तब वह अपनी सीट से खड़े नहीं हुए। वहीं, बीजद विधायक काली पट्टी बांधकर एवं हाथ में बैनर लिए

मिश्र के प्रसंग पर सरकार से जवाब मांगा, परन्तु सरकार से कोई उत्तर नहीं मिला।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक तारा प्रसाद वाहिनीपति ने कहा है कि मिश्र एवं भाजपा के विधायकों ने मेरी कालर पकड़ी, मुझे गाली दी। 25 वर्ष से मैं विधायक हूं ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी। स्पीकर से हम अनुरोध कर रहे थे, मगर वे नहीं सुन रहे है। हम भाजपा विधायकों की दादागिरी से नहीं डरने वाले हैं, आदिवासी, महिला, गरीब के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस के हम 14 विधायक हैं, हम उनसे मारपीट नहीं कर सकते, परन्तु हम संवैधानिक रूप से अपना विरोध जारी रखने वाले है। विधानसभा के बाहर महात्मा गांधी की प्रतिमूर्ति के नीचे धरना प्रदर्शन करते कांग्रेस विधायक . वहीं भाजपा विधायक अशोक महांति ने कहा है कि ओडिशा शासन की जिम्मेदारी भाजपा को लोगों ने दी है। तीन दिन से विरोधी दल सदन नहीं चलने दे रहे हैं। आज भी जैसे ही प्रश्नोत्तर शुरू हुआ, विरोधी दल नारेबाजी करने लगे। मंत्री पर हाथ उठाए। हम कहना चाहते हैं, आप अपनी बात विधानसभा अध्यक्ष से कह सकते हैं, परन्तु किसी मंत्री के ऊपर आप हाथ नहीं उठा सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल के सामने आ गई नई मुसीबत, 5 साल पुराने मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने मंगलवार को अधिकारियों को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य पार्टी नेताओं के खिलाफ 2019 में द्वारका में बड़े पार्टी होर्डिंग्स लगाने के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने की। सितंबर 2022 में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने शिकायत खारिज कर दी। हालांकि, सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और पुनर्विचार के लिए इसे मजिस्ट्रेट के पास वापस भेज दिया। विशेष न्यायाधीश द्वारा मजिस्ट्रेट अदालत को मामले पर नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश दिए जाने के बाद, मजिस्ट्रेट ने अब मामले में एफआईआर दर्ज करने की याचिका पर विचार किया है। जनवरी में, विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट द्वारा पहले शिकायत को खारिज करने के आदेश में यह पता लगाने की कोशिश नहीं की गई थी कि किया गया अपराध संज्ञेय है या नहीं। नई याचिका दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156 (3) के तहत दायर की गई थी, जिसमें मजिस्ट्रेट पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और संज्ञेय अपराध की जांच का आदेश देने का निर्देश दे सकता है। पुलिस को 18 मार्च तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

योगी के मंत्री का विवादित बयान, रंग से बचाने मुस्लिम मर्द हिजाब पहनें

-समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने बयान पर नाराजगी जाहिर की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री रघुराज सिंह के हालिया बयान ने गर्मी से पहले सियासी पारा चढ़ा दिया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के पुरुषों को सलाह देकर कहा कि यदि वे होली के रंगों से बचना चाहते हैं, तो मुस्लिम मर्द हिजाब पहनें, रंग से बची रहेगी टोपी। उनका यह बयान विवाद का विषय बन गया है।

दरअसल अलीगढ़ में मंत्री सिंह ने कहा कि अगर मुस्लिम पुरुषों को होली पर रंगों से परहेज है और वे जुमे की नमाज के लिए घर से बाहर निकलना चाहते हैं, तब उनके पास दो ही विकल्प शेष हैं, तब या वे घर पर ही नमाज अदा करें या फिर महिलाओं की तरह हिजाब पहनकर बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि होली के दिन मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया जाता है, जिससे वे रंगों से सुरक्षित रह सकें। इसतरह मुस्लिम पुरुष भी खुद को हिजाब से ढक सकते हैं, ताकि उनके सफेद कपड़ों पर रंग न लगे। मंत्री ने कहा कि होली खेलने वालों को यह अंदाजा नहीं होता कि रंग उड़कर कहां गिरेगा। उन्होंने होली के त्यौहार में बाधा डालने वालों के लिए कड़े शब्दों में कहा कि इसतरह के लोग या प्रदेश छोड़ दें, या फिर जेल जाने के लिए तैयार रहें या यमराज से मिलने की तैयारी कर लें। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में बहस छिड़ गई है।

राजनीतिक विवाद और प्रतिक्रियाएं

मंत्री सिंह के बयान पर विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कई नेताओं ने सांप्रदायिक बयान बताकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इस तरह के बयान समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं और इससे धार्मिक सौहार्द बिगड़ सकता है।

मुस्लिम समुदाय में नाराजगी

मुस्लिम संगठनों और नेताओं ने मंत्री के बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में दखल बताकर कहा कि सरकार को इस तरह की टिप्पणी करने वाले नेताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए। कई मुस्लिम संगठनों ने मांग की कि होली और जुमे की नमाज को लेकर किसी भी तरह की जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए और सभी को अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

बर्ड फ्लू के खतरे को लेकर केंद्र ने पंजाब समेत 9 राज्यों में जारी किया अलर्ट

-खांसी, लगातार सर्दी और नाक से खून के लक्षण दिखें तो लें डॉक्टर की सलाह

चंडीगढ़, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के डेयरी एवं पशुपालन विभाग ने तत्काल प्रभाव से पंजाब में बर्ड फ्लू का अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट पंजाब के अलावा 9 अन्य राज्यों में भी जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक यह फ्लू लगातार बढ़ते खतरे और घातक एच5एन1 वायरस के फैलने के खतरे को देखते हुए जारी किया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि केंद्र सरकार के डेयरी और पशुपालन विभाग ने चेतावनी दी है कि बीमारी वाला चिकन खाने से कोई भी व्यक्ति इस घातक वायरस की चपेट में आ सकता है। इसलिए चिकन खाने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस

वायरस के कुछ सबसे खराब लक्षणों के बारे में भी जानकारी दी है, जिनमें गंभीर खांसी, लगातार सर्दी और सबसे खतरनाक नाक से खून आना शामिल है। यदि किसी को भी इन लक्षणों का अनुभव होता है तो वह तुरंत डॉक्टर की सलाह ले।

मंत्रालय की सचिव ने जारी पत्र में कहा है कि भारत में एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) वायरस फैल गया है। जो लोग संक्रमित चिकन खाते हैं वे वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। पत्र में कहा गया है कि जनवरी 2025 से 9 राज्यों में यह वायरस के मामले सामने आए हैं, जिनमें सरकारी स्वामित्व वाले पोल्ट्री फार्म भी शामिल हैं। इस वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस पर ध्यान देने की जरुरत है। सभी सरकारी, वाणिज्यिक और पिछवाड़े पोल्ट्री फार्मों को जैव सुरक्षा उपायों को मजबूत करना होगा। बता दें कि पंजाब में बड़ी संख्या में लोग रोजाना चिकन का सेवन करते हैं, सिर्फ पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएं और बच्चे भी मांसाहारी खाना खाते हैं।

ग़रीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा मंदिरों का सोना-चांदी? वक्फ बिल पर भड़गे मौलाना जवाद नकवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसने अपने विचार-विमर्श में त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया अपनाई है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, धर्मगुरु ने कहा कि सभी वक़्फ़ संपत्तियाँ सार्वजनिक संपत्ति हैं क्योंकि जनता ने उन्हें अच्छे कामों के लिए दान किया है। वक़्फ़ बोर्ड सिर्फ़ चौकीदार है, मालिक नहीं। जैसे केंद्र सरकार भारत की चौकीदार है, मालिक नहीं। आप कश्मीर का नियंत्रण किसी और को, पाकिस्तान को नहीं दे सकते क्योंकि सरकार देश की मालिक नहीं बल्कि चौकीदार है।

नकवी ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि आप वक़्फ़ के लिए कह रहे हैं कि इससे ग़रीबों को फ़ायदा होगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 5 लाख से ज़्यादा मंदिर हैं

और मंदिरों में हज़ारों टन सोना-चाँदी है। इसे ग़रीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा? इन मंदिरों में इतना सोना है कि अगर इसे बाँट दिया जाए तो हर ग़रीब हिंदू अमीर बन जाएगा। दूसरी बात ये कि अगर ये सोना वापस रिजर्व बैंक में चला जाए तो डॉलर 20 रुपये पर आ जाएगा और महंगाई खत्म हो जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि आप मुसलमानों को नुकसान पहुंचाकर हिंदुओं को खुश करना चाहते हैं जबकि यह सिर्फ आपका भ्रम है क्योंकि हिंदू और मुसलमान एक दूसरे को नुकसान पहुंचाकर कभी खुश नहीं रह सकते। आप अपनी गलत नीतियों से उनके बीच के प्यार को नहीं तोड़ सकते इसलिए प्यार बना रहेगा और जिस तरह से आप हारे हैं, अगर आप नफरत फैलाएंगे और सबका साथ सबका विकास का नारा वापस लेंगे तो आप पिछली बार से भी ज्यादा बुरी तरह हारेंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि हम मानते हैं कि हमने जो कुछ भी सार्वजनिक रूप से कहा है, सरकार के सामने, जेपीसी के सामने, विपक्षी दलों के सामने और सत्ताधारी दल के सामने भी। हमें विश्वास है कि सद्बुद्धि आएगी और सरकार इस संशोधन को वापस लेगी। लेकिन अगर संशोधन वापस नहीं लिया गया और इसे पारित कर दिया गया तो हम इसके खिलाफ पूरे देश में अभियान चलाएंगे। हमारा अभियान पूरी तरह लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण होगा।

यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव सपा-बसपा मिलकर लड़ सकती हैं?

-मायावती के बदलते तेवरों से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के विधानसभा चुनाव में अभी काफी समय है, लेकिन प्रदेश में सरकार बनाने को लेकर गुणा-भाग लगाना शुरू हो गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकालने के बाद तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मायावती ने अपने पिछले कुछ बयानों में बीजेपी को आड़े हाथों लिया है। मायावती के बदलते तेवरों से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी है। चर्चा है कि अखिलेश यादव और मायावती एक बार फिर साथ आ सकते हैं। अगर ये साथ आते हैं तो साल 1993 में मिली सपा-बसपा गठबंधन की करिश्माई जीत को दोहरा सकते हैं।

यूपी में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए बीजेपी हिंदुत्व के एजेंडे पर काम कर रही है। सीएम योगी ने बजट सत्र में इसकी बानगी भी पेश की है। उधर समाजवादी पार्टी अपने पीडीए के सहारे यूपी की सत्ता में वापसी करना चाहती है, लेकिन इसी बीच केशव देव मौर्य ने बड़ा बयान दिया है। केशव देव मौर्य ने कहा कि बीजेपी से अकेले ना ही समाजवादी पार्टी और ना ही बसपा जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में बेहतर यही होगा कि सपा और बसपा दोनों मिलकर बीजेपी को सत्ता से हटाकर 2027 में सरकार बना लें।

केशव देव मौर्य इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। एक-दूसरे के राजनीतिक धुरविरोधी माने जाने वाले मायावती और अखिलेश यादव मोदी को सत्ता से हटाने के लिए 2019 लोकसभा चुनाव में एक साथ आ चुके हैं। इस चुनाव में मायावती 0 से 10 सीट पर पहुंच गई थी, लेकिन अखिलेश यादव 2014 के आंकड़ों पर ही सीमित रह गए थे। हालांकि 10 सीटों का फायदा होने के बाद भी मायावती ने सपा का वोट बसपा में ट्रांसफर ना होने का आरोप लगाते हुए अपने रास्ते अलग कर लिए थे।

इसके बाद से पूर्व सीएम मायावती अक्सर बीजेपी की तुलना में सपा और कांग्रेस पर ज्यादा हमले करने लगी थी। इस पर अखिलेश यादव समय-समय पर अपनी प्रतिक्रिया भी देते रहे हैं। यही नहीं, सपा ने बसपा के टिकटों पर भी सवाल खड़े किए हैं। वहीं राजनीतिक जानकारों की माने तो राजनीति में कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। इसलिए ये कहना कि यह दोनों दल एक साथ नहीं आ सकते हैं, ये कहना गलत होगा।

वहीं चर्चा है कि मायावती के साथ गठबंधन करके अखिलेश यादव 1993 वाले करिश्मा को दोहराना चाहते है। दिसंबर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराया गया था, उसके ठीक बाद साल 1993 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा ने मिलकर सरकार बना ली थी। तब सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और बसपा के संस्थापक कांशीराम एक साथ आ गए थे।

हिमाचल में अगले कई दिन हो सकती है बारिश और बर्फबारी, कई इलाकों में छाए हैं बादल

शिमला (एजेंसी)। मौसम फिर बदल रहा है। प्रदेश के लाहौल स्पीति में जहां दो दिन से बर्फबारी हो रही है। वहीं, अन्य इलाकों में बादल छाए हुए हैं। ऐसे में ठंड का असर कुछ दिन और रह सकता है। हिमाचल प्रदेश में होली समेत अगले चार दिन बारिश बर्फबारी के आसार हैं। मंगलवार को शिमला में हल्के बादल छाए हैं। जानकारी के मुताबिक लाहौल स्पीति में बीती रात रुक रुक कर बर्फबारी होती रही। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुतबिक मंगलवार को बारिश की गतिविधि कम रहेगी। वहीं, 12 मार्च से फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जो 16 मार्च तक जारी रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल्लू, कांगड़ा और लाहौल स्पीति के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी जबकि मध्यवर्ती और निचले हिस्सों में बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री ज्यादा है। सबसे ज्यादा

तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मार्च में अब तक सामान्य से 44 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है, केवल ऊना में सामान्य से कम बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बर्फबारी देखी गई और न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। यह सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था और कई हिस्सों में 7-13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिनमें ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, दक्षिण मंडी, दक्षिण चंबा, दक्षिण सोलन, और दक्षिण सिरमौर का हिस्सा आता है। मध्य पर्वतीय इलाकों में शिमला, उत्तर मंडी, उत्तर कांगड़ा, केंद्रीय चंबा, उत्तर सोलन, उत्तर सिरमौर, दक्षिण कुल्लू में कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। यह सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था और 5-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

लाहौल-स्पीति, किन्नौर, उत्तर चंबा, उत्तर कुल्लू के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। यह सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है और -2 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटों के दौरान कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मौसम विभाग ने बताया कि ईरान और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान के चलते पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है इस वजह से दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश से दक्षिण हरियाणा तक असर रहेगा। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 12 मार्च, की रात से सक्रिय होगा।

मुफ्त स्कीमों के वादों से बचेगी भाजपा? असम विधानसभा चुनाव से होगी नई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अब चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने जैसी घोषणाओं (फ्रीबीज) पर ब्रेक लगाने की तैयारी में है। पार्टी ने इसके स्थान पर एक वैकल्पिक मॉडल तैयार किया है, जो सीधे कैश ट्रांसफर या अन्य छूट (नॉन परफॉर्मिंग एक्सपेंडिचर) की जगह राज्य की जीडीपी को गति देने वाले आर्थिक उपायों पर केंद्रित होगा। वैसे इसकी शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से हो सकती थी, लेकिन इसे असम विधानसभा चुनाव तक के लिए रोक कर रखा गया है।

दरअसल बताया जा रहा है कि मुफ्त की स्कीमों के वादे की बजाय इस नए मॉडल की शुरुआत 2026 में होने वाले असम विधानसभा चुनाव से होगी। भाजपा यह व्यवस्था उन्हीं राज्यों में लागू करेगी, जहां पार्टी खुद सरकार में है, मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है या जहां अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। वैसे बताया यह भी गया है कि जहां पहले से फ्रीबीज की घोषणाएं हो चुकी हैं या पार्टी ने जिसका वादा किया हुआ है, वह योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन अगले चुनावों में वहां भी नया मॉडल लागू किया जाएगा। यानी 2028 के बाद भाजपा शासित सभी राज्यों में यह व्यवस्था होगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया जा रहा है कि दिल्ली चुनाव के दौरान ही शीर्ष नेतृत्व ने अगले चुनावों में फ्रीबीज का वैकल्पिक मॉडल अपनाने के लिए रणनीति बनाने पर विचार रखा था।

सब्सिडी पर भी होगा पुनर्विचार

राज्य सरकारों को कई तरह की सब्सिडी पर हर महीने भारी खर्च करना पड़ता है। इनमें खाद्य सब्सिडी (जैसे- चावल और गेहूं को 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराना), कृषि सब्सिडी (किसानों को बिजली, उर्वरक और बीज पर दी जाने वाली छूट), शिक्षा और स्वास्थ्य सब्सिडी, परिवहन सब्सिडी तथा ऊर्जा सब्सिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं।

असम में 4 लाख स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग

असम भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि राज्य में लगभग 4 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें प्रत्येक समूह में 10 महिलाएं जुड़ी हैं। इस प्रकार कुल 40 लाख महिलाएं इससे लाभान्वित हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार हर महिला को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद देगी, जिससे उनका कारोबार बढ़ सके। अगले साल यह राशि 20 हजार रुपये कर दी जाएगी, जिसमें 10 हजार रुपये का लोन होगा, जिसे सस्ती ब्याज दरों पर चुकाना होगा, जबकि शेष 10 हजार रुपये सरकार की ओर से दिए जाएंगे। इस

प्रकार, पांच सालों में प्रत्येक महिला को कुल 90 हजार रुपये का सहयोग मिलेगा, जिससे राज्य की आर्थिक गतिविधियों में लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का संचार होगा। इस नए फॉर्मूले के तहत भाजपा का लक्ष्य आर्थिक सुधार को प्राथमिकता देना और मुफ्त की योजनाओं की जगह उत्पादक निवेश को बढ़ावा देना है।

बजट में 25 लाख रुपए तक बिना ब्याज लोन देना चाहिए : बजरंग गर्ग

चंडीगढ-11मार्च(संजय राय)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने व्यापारी व उद्योगपतियों से बातचीत करने उपरांत कहा कि गांव स्तर पर छोटे व मध्यम उद्योग लगाने पर सरकार को बजट में 25 लाख रुपए तक बिना ब्याज लोन देना चाहिए। हरियाणा में नए उद्योग लगाने पर सरकार को 5 साल तक हरियाणा के एसजीएसटी में पूरी तरह छूट होनी चाहिए ताकि पहले की तरह गांव स्तर के भारी तादाद में उद्योग स्थापित हो सके। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में गांव स्तर पर में 80 प्रतिशत छोटे व मध्यम उद्योग बन्द हो चुके है। पहले गांवों में हैंडलूम, नमकीन, बेकरी, साबुन, तेल, कुलर, पंखे, पीलंग, निवार,आदि के उद्योग लगे हुए थे जो अब लगभग बन्द हो चुके है। सरकार को हरियाणा के वार्षिक बजट में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सुविधा देनी चाहिए। बजट में व्यापारी व उद्योगपतियों की दुकान व फैक्ट्री में आग लगने पर उसके नुकसान की भरपाई करने का नियम बनाना चाहिए। सरकार को प्रदेश में बेरोजगारी कम करने के लिए व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने की जरूरत है। जब तक सरकार हरियाणा में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा नही देगी तब तक बेरोजगारी कम नही हो सकती है। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को बजट में शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि की सरकारी स्कूलों की हालत खस्ता है और सरकारी स्कूलों में बच्चों के बैठने के लिए बैच व किसी प्रकार की मूलभूत सुविधा नही है। सरकार को बजट में शिक्षा व चिकित्सा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

लोगों को पानी की किल्लत का ना सामना करना पड़े इसलिए कुमारी सैलजा ने केंद्रीय जल विद्युत शक्ति मंत्री को लिखा पत्र

चंडीगढ़, 11 मार्च (संजय राय) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को पत्र लिख कर भाखड़ा नहर की साफ-सफाई करवा कर पर्याप्त जलापूर्ति करवाने की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल को लिखे पत्र के माध्यम से बताया है कि भाखड़ा नहर जो पंजाब व हरियाणा से गुजरती है उसकी सफाई लंबे अरसे से नहीं हुई है जिस कारण भाखड़ा नहर में पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस नहर से सिरसा संसदीय क्षेत्र में भी शाखाएं निकलती है। जिनमें पानी की कमी रहती है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि मेरे संसदीय क्षेत्र सिरसा (हरियाणा) के भाखड़ा नहर से निकलने वाली शाखाओं की साफ-सफाई एवं जल आपूर्ति की समस्या बड़ी समस्या बन गई है। उन्होंने लिखा है कि मेरे संसदीय क्षेत्र सिरसा (हरियाणा) में मुख्य भाखड़ा नहर से निकलने वाली शाखाओं के माध्यम से सिरसा एवं फतेहाबाद जिलों को पेयजल व सिंचाई जल उपलब्ध कराया जाता है। इन नहरों का प्रबंधन भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है। वर्तमान में, फतेहाबाद जिले के टोहाना में मुख्य भाखड़ा नहर से दो शाखाएं निकलती हैं। जो सिरसा एवं फतेहाबाद जिलों को जलापूर्ति करती है, और दूसरी जो हिसार जिले को जल प्रदान करती है। किंतु हाल ही में सिरसा और फतेहाबाद को अपेक्षित मात्रा में जल प्राप्त नहीं हो रहा है, जिससे पेयजल व सिंचाई के लिए जल संकट उत्पन्न हो गया है। आगामी ग्रीष्म ऋतु में यह समस्या और विकट हो सकती है। इसके अतिरिक्त भाखड़ा नहर व इसमें से निकलने वाली नहरों की कई वर्षों से समुचित सफाई नहीं हुई है, जिससे इनकी जल वहन क्षमता प्रभावित हुई है। यदि इनकी सफाई करवाई जाए, तो जल प्रवाह में सुधार होगा और सिरसा-फतेहाबाद जिलों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप जल उपलब्ध हो सकेगा।

जिले के लिए बाढ नियंत्रण को लेकर 14 परियोजनाएं की जा रही हैं तैयार: उपायुक्त

पंचकूला, 12 मार्च- (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा-- उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि पंचकूला जिलें में आपदा प्रबंधन को रोकने के लिए 14 परियोजनाएं तैयार की जा रही हैं, जिनके लिए प्रस्तावित बजट लगभग 7.67 करोड रुपए है। उन्होने बताया कि इन 14 परियोजनाओं को पूरा करके प्रशासन जिलें में बाढ नियंत्रण पर कार्य कर सकता है। उपायुक्त लघु सचिवालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन हरियाणा डॉ सुमिता मिश्रा द्वारा चंडीगढ से आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर बाढ नियंत्रण परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दे रही थी। उन्होने बताया कि जिले के चारों खंडों रायपुररानी, कालका, मोरनी, बरवाला में बाढ नियंत्रण को लेकर 14 परियोजनाओं पर कार्य होना है। इसके लिए लगभग 7.67 करोड रुपए का बजट खर्च होना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन हरियाणा डॉ सुमिता मिश्रा ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के आयुक्त एवं सभी उपायुक्तों को जिलों में बाढ रोकने के लिए ठोस प्रबंध को लेकर उचित दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, जिला राजस्व अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह, कार्यकारी अभियंता सिंचाई विभाग अनुराग अग्रवाल, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पंचकूला पुलिस ने 2 मोस्ट वांटेड ईनामी बदमाशों को किया काबू

पंचकूला/12 मार्च:-(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--पुलिस कमिश्नर राकेश कुमार आर्य के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस की क्राइम ब्रांच व थाना स्तर की टीमे जिला को अपराध मुक्त बनाने के लिए एकजुट होकर लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिस कडी में डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने 2 मोस्ट वांटेड अपराधियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। दोनों पर 5000 का ईनाम धोषित था। पुलिस को दोनों की काफी समय से तलाश थी। डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने सब इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह की अगुवाई में साजिद खान उर्फ तेजा पुत्र लालदिन उम्र 27 साल वासी गांव नयागांव जिला यमुनानगर को दिनांक 10.03.2025 को सब्जी मंडी बरवाला से काबू किया व दूसरे आरोपी सुलतान पुत्र जरीब हसन उम्र 24 साल वासी गांव खांडरा जिला यमुनानगर को आज सुबह गांव पारवाला से गिरफ्तार किया गया है। घटना पिछले वर्ष 20 सितंबर की है जिसमें हुई बाइक सवार युवकों द्वारा रायपुररानी के भरैली गांव में की गई गोलाबारी में दो युवक गोल्डी व दिनेश को गोली लगी थी। पुलिस ने इस मामले में दो मोस्ट वांटेड ईनामी बदमाशों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी साजिद ने इससे पहले गिरफ्तार हुए आरोपी के प्रबंध हेतु आईडी मुहैया करवाई थी इसके अलावा अन्य आरोपियों को पनाह भी दी थी और आरोपी सुल्तान ने घटनाक्रम से पहले रैकी की थी। इस मामले इन दोनों को मिलाकर अब तक कुल 8 आरोपी गिरफ्तार हो चुके है। दोनों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 3(5), 61 व आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया है। आज दोनों को माननीय अदालत में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

एक किलो 13 ग्राम अफीम समेत क्राइम ब्रांच ने अफीम तस्कर को किया काबू

पंचकूला 11 मार्च(रामकुमार) पुलिस कमिश्नर राकेश कुमार आर्य ने जिला में नशा पर पुर्ण रूप से लगाम लगाने हेतु कड़े निर्देश दिए है। इसके अलावा जिला को नशा मुक्त बनाने को लेकर ह्यनशा और हिंसा मुक्त मेरा गांव मेरी शान अभियानह्ल के तहत जिला में लोगों को नशे से बचने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। साथ ही ड्रग तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए गए है। 10 मार्च 2025 को क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने टीम के साथ मिलकर अफीम तस्कर को काबू करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राम स्वरूप पुत्र काशी राम वासी जिला बरेली उतरप्रदेश उम्र 49 साल के रुप में हुई है ।पुलिस को गुप्त सुत्र से सूचना मिली थी कि एक युवक अफीम बेचने का काम करता है और वह आज एप्पल मन्डी सैक्टर 20 पचकुला से आगे जीरकपुरझ्कालका मैन हाईवे की तरफ अफीम लेकर जीरकपुर मे किसी को बेचने के लिऐ जा रहा है टीम ने बताये गए स्थान पर पहुंचकर आरोपी को घेरा ड़ालकर काबू किया।

रंग बिरंगी आतिशबाजी के साथ सम्पन्न हुआ बहराइच महोत्सव में बड़ी संख्या में आये दर्शकों ने बालीबुड नाईट व हरियाणवी गायन में मचाई धूम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 11 मार्च। बहराइच महोत्सव 2025 की संध्या पर राजस्थानी कालबेलिया डांस की प्रस्तुति द्वारा अलंकार म्यूजिकल ग्रुप द्वारा झूले लाल, दमादम मस्त कलन्दर गायन की प्रस्तुति की गयी। इसके उपरान्त रेणुका पवार द्वारा हरियाणवी गायन ह्यबावन गज का दामन ह्यकटीलो काजल डीजे पे मटकुंगी व ह्यजुगनी पानी लेन एल्बम के गानों की प्रस्तुति की। जबकि सांय काल बालीबुल नाईट्स में गायिका ममता शर्मा द्वारा ह्यआज की रात मजा लीजिए ह्यतू है लाजवाब मुन्नी बदनाम हुई जैसे गानों से दर्शकों का मनमोह लिया। प्रदेश के मा. मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री सूर्य प्रताप शाही ने महोत्सव में आये सभी जनप्रतिनिधियों सम्मानित नागरिक, नौजवान साथियों, मीडिया बन्धु व विभिन्न क्षेत्रों से आये कलाकारों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होनें कहा कि मा. प्रधानमंत्री व मा. मुख्यमंत्री जी विकास के लिए हमेशा अग्रसर है। उन्होनें कहा कि सभी लोगों को समुचित इलाज मुहैया कराने के लिए मेडिकल कालेज के साथ सभी सीएचसी व पीएचसी पर चिकित्सक और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। उन्होनें बताया कि चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हमारी सरकार सतत प्रयत्नशील है इसी दिशा में जनपद के मेडिकल कालेज को और अधिक विकसित किया गया। जनपद के चौहमुखी विकास हेतु विद्यालयों को सुसज्जित, पर्यटन स्थलों का

विकास, मक्का किसानों की आय को दोगुना किया जाना, कला व संस्कृति के उत्थान जैसे महत्वपूर्ण कार्य जनपद में कराये जा रहे है। उन्होनें किसानों से आहवान किया कि प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता वाली योजनाओं में से एक दलहन व तिलहन की खेती में देश को आत्म निर्भर बनाना है। उन्होनें किसान भाईयों का आहवान किया कि वह अपने खाली पड़े खेतों में उरद व मूंग की खेती करने को भी कहा। आप गन्ने की खेती करते है तो उसमें खाली पड़े स्थानों पर मक्का की खेती करे क्योकि गन्ने से एथनाल तैयार होता है। उन्होनें किसानों को सरकार द्वारा सोलर पम्प पर दी जा रही 60 प्रतिशत अनुदान योजना का लाभ उठाते हुए अपने खेतों में सोलर पम्प लगवाने को कहा। जिससे गमीयों में भी आपको खेतों में पानी की असुविधा नहीं होगी और आप अपने खेतों में सब्जी, फल इत्यादि की खेती करके आय बढ़ा सकते है। मा. मंत्री ने बहराइच महोत्सव 2025 में इतनी बड़ी संख्या में आये दर्शकों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। महोत्सव में पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की जीवन पर आधारित कथाओं का कलाकारों द्वारा प्रस्तुतिकरण भी किया गया। जिसकी मा. मंत्री जी ने दिल खोलकर तारीफ की और उनके जीवन से आमजन मानस को प्रेरणा लेने के लिए कहा। मा. मंत्री जी ने महोत्सव में पर्चिया निकालकर लकी ड्रा के विजेताओं के नामों की घोषणा भी की। महोत्सव के समापन अवसर पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सभी जनप्रतिनिधियों के मार्ग दर्शन एवं मीडिया बन्धु, सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ विशाल जन समूह की प्रतिभागिता के लिए सभी धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महसी विधायक सुरेश्वर सिंह, पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, बलहा सरोज सोनकर, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी, भूतपूर्व उपाध्यक्ष परशुराम कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष संचित सिंह, पार्टी पदाधिकारी, गणमान्य व संभ्रान्तजन, जिलाधिकारी मोनिका रानी, एसपी रामनयन सिंह, सीडीओ मुकेश चन्द्र, एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, सीआरओ देवेन्द्र पाल सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर सहित जनपद स्तरीय अधिकारी, उद्यमी, व्यापारी, एसडीएम, बीडीओ व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

तीन महीने में डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगा चुनाव आयोग : जिला निर्वाचन अधिकारी

पंचकूला, 12 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि चुनाव आयोग ने डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के मामले का संज्ञान ले लिया है। ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, एक मतदाता जो किसी विशेष मतदान केंद्र की मतदाता सूची से जुड़ा हुआ है, वह केवल उसी मतदान केंद्र पर अपना वोट डाल सकता है, कहीं और नहीं। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने तकनीकी टीमों और संबंधित मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद अगले तीन महीनों में इस लंबे समय से लंबित मुद्दे को हल करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर वाले मौजूदा मतदाताओं और भावी मतदाताओं के लिए भी एक अद्वितीय राष्ट्रीय ईपीआईसी नंबर सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों के अपडेट के लिए हर साल वार्षिक विशेष सारांश संशोधन अभ्यास भी करता है, जो हर साल अक्टूबर-दिसंबर की अवधि के दौरान होता है और जनवरी के अगले महीने में अंतिम सूची प्रकाशित की जाती है। वर्ष 2025 के लिए विशेष सारांश संशोधन शेड्यूल 7 अगस्त 2024 को जारी किया गया था और अंतिम सूची 6 से 10 जनवरी, 2025 के दौरान प्रकाशित की गई थी। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के अनुसार प्रदेश में 2,06,32,503 वोटर हैं, 20,031 बीएलओ और 90 बीएलए हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर राज्य सरकार के अधिकारियों में से निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नियुक्त किया जाता है। प्रत्येक

बूथ पर राजनीतिक दलों को बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का भी अधिकार है। उन्होंने बताया कि सभी बीएलए को संबंधित बूथ की मतदाता सूची का सत्यापन करने तथा विसंगति, यदि कोई हो, के लिए शिकायत दर्ज करने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि घर-घर जाकर सत्यापन करने के बाद संबंधित बीएलओ संबंधित ईआरओ को सिफारिशें प्रस्तुत करता है। ईआरओ मतदाता सूचियों को अद्यतन करने के लिए प्रत्येक मतदाता के विवरण का सत्यापन करता है। उन्होंने बताया कि तैयार किए गए मतदाता सूची को वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है तथा राजनीतिक दलों और आम जनता को भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों के सत्यापन और एक महीने की अवधि के दौरान प्राप्त किसी भी दावे और आपत्तियों के निपटारे के बाद ही अंतिम नामावलियां प्रकाशित की जाती हैं, जिन्हें राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराया जाता है और मतदान केंद्रवार ईसीआई वेबसाइट https://voters.eci.gov.in/download-eroll पर भी उपलब्ध कराया जाता है।

रोहतक में मतगणना वाले दिन विशेष सुरक्षा प्लान लागू होगा

रोहतक (डा. इंद्रा राय ,आज का मुद्दा)। नगर निगम रोहतक व नगर पालिका कलानौर के आम चुनाव के मतों की गणना होनी है। पुलिस अधीक्षक ने मतदान केन्द्रों के आस-पास लगने वाले नाकों का भी दौरा किया तथा संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए है। पुलिस अधीक्षक ने मतगणना के दौरान ड्यूटी पर तैनात किए गए सभी अधिकारियों को ड्यूटी बारे संबोधित किया। सभी को उनकी ड्यूटी बारे विस्तार से अवगत कराया गया। निष्पक्ष व ईमानदारी से अपनी ड्यूटी करने बारे सख्त हिदायत दी गई। पुलिस द्वारा डयूटियो की रिहर्सल की गई है।

मतगणना के लिए रोहतक पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा प्लान तैयार कर 4 लेयर की सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किये गया है। मतगणना केन्द्रों व चारों तरफ की सुरक्षा के लिये 03 राजपत्रित अधिकारी, 17 निरीक्षक रैंक के अधिकारी व अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहेगे। मतगणना भवन व आस-पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात होगा।

मतगणना भवन के अंदर प्रवेश करने वाले अधिकृत व्यक्ति को उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था से गुजरना होगा। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 163 बीएनएस के तहत जारी किए गए आदेशों को प्रभावी ढ़ंग से लागू किया जाएगा। मतगणना केन्द्रों, कैम्पस के अंदर व बाहर सुरक्षा व कानून व्यवस्था के पुख्ता बंदोबस्त किए गए है। प्रत्येक अधिकृत व्यक्ति को चार स्तरीय सुरक्षा जांच से होकर गुजरना होगा। मोबाईल फोन, इलेक्ट्रोनिक गैजेट व अन्य आपत्तिजनक वस्तु का मतगणना केन्द्र के अंदर लेकर जाना निषेध है। किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था स्थिती से निपटने के लिए दंगा निरोधक उपकरण से सुसज्जित पुलिस बल तैनात रहेगा। मतगणना के दौरान राइडर व पीसीआर गश्त में मौजूद रहेगी तथा यातायात व कानून व्यवस्था को बनाए रखेगी। सूचना के आदान प्रदान में तीव्रता लाने के लिए जिला कंट्रोल रूम में अतिरिक्त जवान तैनात किए गए है। प्रत्येक अधिकारी से पल-पल की रिपोर्ट ली जाएगी। जिला पुलिस द्वारा बैरिकडिंग की गई है। बैरिकडिंग मेडिकल मोड, पावर हाउस चौक, दिल्ली बाईपास चौक व एमडीयू गेट न. 02 के सामने की गई है।

लोगों की समस्याओं का समाधान करने में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

पंचकूला, 12 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) -- आज का मुद्दा--+उपायुक्त मोनिका गुप्ता की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपायुक्त ने जिलावासियों की समस्याओं को सुना और उनको प्राथमिकता के आधार पर समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिए। मंगलवार को 10 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से समाधान शिविर में आई अब तक की सभी समस्याओं का समीक्षा भी की। उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की अपील की। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। लोगों की समस्याओं का समाधान करने में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंचकूला जिला में तीन स्थानों पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शहरी लोगों की समस्याओं को नगर निगम के सेक्टर-4 स्थित कार्यालय में सुना जा रहा है। वहीं कालका विधानसभा के लोगों के लिए एसडीएम कार्यालय कालका में समाधान शिविर लगाया जा रहा है। इसके अलावा जिला स्तर पर लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर प्रत्येक कार्यदिवस में आयोजित हो रहा है। उपायुक्त ने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ, जिला राजस्व अधिकारी डा. कुलदीप सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संध्या, एलडीएम गजल शर्मा, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, तहसीलदार कालका विवेक गोयल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अवैध खनन के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, टिप्पर व जेसीबी जब्त

पंचकूला 11 मार्च (रामकुमार) पंचकूला पुलिस के आला अधिकारियों के आदेशानुसार चंडीमंदिर पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक टिप्पर और एक जेसीबी को जब्त किया है। यह कार्रवाई पुलिस थाना चंडीमंदिर के प्रभारी इंस्पेक्टर रामपाल सिंह व पुलिस चौकी इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर सुरेशपाल की अगुवाई में की गई। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि रत्तेवाली क्रेशर जोन में अवैध खनन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि खनन माफिया अवैध रूप से खनन कार्य में लगे हुए थे।पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर मौजूद टिप्पर को जब्त कर लिया, वहीं जेसीबी चालक ने पुलिस को देख भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस की मुस्तैदी और तत्परता से उसका पीछा कर उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। इस मामले की सूचना संबंधित खनन विभाग के अधिकारियों को भी दे दी गई है ताकि आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके।थाना प्रभारी चंडीमंदिर इंस्पेक्टर रामपाल ने कहा कि जिले में अवैध खनन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। इसके अलावा, जिले में अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी की जा रही है ताकि अवैध खनन में संलिप्त वाहनों और व्यक्तियों पर नजर रखी जा सके। साथ ही, राइडर और ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) की पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है, जिससे खनन माफियाओं पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो भी अवैध खनन में संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल सहित सुरिन्दर चड्ढा के घर पहुंची

पंचकूला, 11 मार्च (रामकुमार) पंचकूला में चल रही 15 वी राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में भाग ले रही हरियाणा की महिला हॉकी टीम के सभी खिलाड़ी अपने कोच आजाद मलिक के साथ आज पंचकूला सेक्टर 25 निवासी सुरिन्दर चड्ढा के घर नाश्ते पर पहुंची।सुरिन्दर चड्ढा जो जी एस टी विभाग में अधिकारी रहे हैं तथा वालीबॉल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं उन्होंने इन महिला हॉकी खिलाड़ियों के सम्मान में ये कार्यक्रम रखा । आज हरियाणा की टीम की अंतरराष्ट्रीय स्तर की लीजेंड खिलाड़ी रानी रामपाल जो भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रही हैं उनके अलावा भारतीय ओलिंपिक टीम की खिलाड़ी रही मोनिका मलिक, निशा वारसी, महिमा चौधरी, नीलम, मलिशा ,कनिका सिवाच , प्रियंका सहित अन्य महिला खिलाड़ी चड्ढा के घर पहुँचकर परिवार के साथ भोजन किया, फोटो खिंचवाए तथा उनके साथ अपने अनुभव साँझा किए। उल्लेखनीय है कि कल खेले गए सेमी फाइनल में हरियाणा की टीम ने मणिपुर की टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सुरिन्दर चड्ढा तथा उनके पारिवारिक मित्र ओ पी सिहाग ने सभी महिला खिलाड़ियों को कल होने वाले फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मिसेज शोभा चड्ढा, गगन,आकाश , रिकी चड्ढा,शायरा तथा करमजीत कौर उपस्थित रही ।

बैंकिंग क्षेत्र में 33 प्रतिशत पैसा महिलाओं का : 'वरिंदर गर्ग

पंचकूला 11 मार्च (रामकुमार) भाजपा जिला मुख्यालय पंचकमल में राष्ट्रीय निर्माण संवाद श्रृंखला की चौथी कड़ी में हरियाणा प्रदेश के संयुक्त कोषाध्यक्ष वरिंदर गर्ग ने आर्थिक जागरूकता विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा, सशक्त भारत के निर्माण लिए अठारह वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों को इंकम टैक्स जरूर भरना चाहिए। वरिंदर गर्ग ने बताया कि भारत के बैंकिंग क्षेत्रों में लगभग 33 प्रतिशत पैसा महिलाओं का है। अपने व्याख्यान में वरिंदर गर्ग ने वित्तीय तौर पर स्वयं को सक्षम बनाने तथा जमा पूँजी का व्यापार अथवा किसी अन्य क्षेत्र में इन्वेस्ट करने के सुरक्षित एवं आसान तरीको पर विस्तार से जानकारी दी। वरिंदर गर्ग ने भारत सरकार की हर घर जल योजना की सराहना करते हुए कहा कि केवल स्वच्छ पानी देने मात्र से ही स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से सरकारी खजाने में करोड़ों का इजाफा हुआ है। इस मौके पर जिला प्रधान दीपक शर्मा ने कहा, संवाद श्रृंखला की चौथा व्याख्यान विशेष तौर पर महिलाओं समर्पित था। शर्मा ने बताया, राष्ट्र निर्माण संवाद श्रृंखला सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाता है परन्तु गत शनिवार को महिला दिवस होने के कारण इस कार्यक्रम दो दिन आगे बढ़ाना पड़ा। संवाद श्रृंखला के तहत अगला व्याख्यान स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर शनिवार को आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के समापन पर दीपक शर्मा ने वरिंदर गर्ग को स्मृति चिन्ह देकर संवाद श्रृंखला में बतौर वक्ता भाग लेने के लिए धन्यावाद किया।

होली के दो दिन पूर्व एडिशनल एस पी सिटी संग पुलिस का रूट मार्च

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा रिसिया अति संवेदन शील होने के नाते पुलिस प्रशासन की रडार पर होने से पुलिस कोई कोर कसर नही रखना चाह रही है।,इसलिए बार बार रूट मार्च कर सबको सचेत कर रही है। कि किसी भी तरह की हरकत बर्दास्त नही की जाएगी, विशेषकर अराजक तत्व और उपद्रवी बक्शे नही जायेंगे। होली के दो दिन पूर्व संध्या पर थाना रिसिया की पुलिस ने एडिशनल एस पी सिटी रामा नंद कुशवाहा की अगुवाई में रूट मार्च किया,रूट मार्च ने नगर के सभी11वार्डों,संवेदन शील स्थानों का भ्रमण कर निरीक्षण किया। रूट मार्च में पुलिस के साथ दंगा निरोधक बल, वाई फाई तथा डिजिटल कैमरे से भी लैस पुलिस वाले थे,इनके साथ में सीओ पयागपुर पहुंप सिंह,प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह भी थे, जिन्होने रूट मार्च के जरिए पुनः सुरक्षा का अहसास कराया,साथ ही अफवाह फैलाने वालों के बारे में सूचना 112 के साथ थाना और पुलिस चौकी पर दे। इस रूट मार्च में अन्य अपराध निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी बिहारी सिंह यादव, रिसिया मोड़ चौकी प्रभारी कन्हैया दीक्षित, पुलिस कर्मी सर्व जीत यादव,प्रभाकर सिंह,शुभम वर्मा सहित शामिल रहे।

सीएम डैशबोर्ड एवं आईजीआरएस पोर्टल पर रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा गंभीर

आज का मुद्दा गौतम बुद्ध नगर : राजस्व एवं विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं सीएम डैशबोर्ड पर सभी विकास कार्यों व योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट शत प्रतिशत फीड कराने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं सीएमआईएस पोर्टल पर विभागों की प्रगति को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक करते हुए ऐसे सभी विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए जिनकी सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग अच्छी नहीं है। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लक्ष्य प्राप्ति करते हुए प्रगति सीएम डैशबोर्ड पर शत प्रतिशत फीड करायें एवं सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने हेतु विशेष प्रयास सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग शासन स्तर पर निरंतर होती है और डैशबोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर ही जनपदों की रैंकिंग तय की जाती है, इसलिए अधिकारीगण इसकी महत्ता को समझते हुए अपने-अपने विभागों में क्रियान्वन योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर शत प्रतिशत अपलोड करें, ताकि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जनपद को शीर्ष स्थान प्राप्त हो सके। उन्होंने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर जिन जिन विभागों की रैंकिंग खराब चल रही है उनकी विरुद्ध पत्राचार करते हुए शासन को पत्र प्रेषित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को कहा कि वह प्रतिदिन सीएम डैशबोर्ड की मॉनिटरिंग करें और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारीगण सीएम डैशबोर्ड को बहुत ही गंभीरता से ले और जो भी डाटा सीएम डैशबोर्ड पर फीड किया जा रहा है, उसकी एक बार जांच जरुर कर लें और सही डाटा ही पोर्टल पर फीड करें, क्योंकि सीएम डैशबोर्ड की माननीय मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के द्वारा समीक्षा की जाती है। जिलाधिकारी ने बैठक में राजस्व विभाग, स्टाम्प विभाग, परिवहन विभाग, जी0एस0टी0 विभाग, बाट माप विभाग, आबकारी विभाग, खनन विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, दुग्ध विकास विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पंचायती राज विभाग, जल निगम, पर्यटन विभाग, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, प्राथमिक शिक्षा विभाग, पशुधन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, समाज कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, सिंचाई, जल संसाधन विभाग, आपदा विभाग आदि विभागों के विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारीगण शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लक्ष्य की पूर्ति करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी कहा कि यदि किसी भी अधिकारी को कोई समस्या हो वह मुख्य विकास अधिकारी व जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए त्रुटि रहित डाटा फीडिंग करायें। सीएम डैशबोर्ड पर डाटा फीडिंग न करने वाले या गलत डाटा फीड करने वाले विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साथ ही जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, इसलिए सभी अधिकारी गण निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अपने-अपने विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति सुनिश्चित करें।

"नो हेलमेट नो फ्यूल" पॉलिसी का जनपद में शत प्रतिशत पालन कराने हेतु अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ की बैठक

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर : दो पहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा संचालित "नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी" का जनपद में शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो सके इस उद्देश्य से आज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है, परंतु कुछ स्थानीय लोगों द्वारा पेट्रोल पंप पर सेल्समैन द्वारा बिना हेलमेट के फ्यूल देने पर मना करने पर उनके साथ अभद्रता व मारपीट की जाती है, जिसके संबंध में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस को पत्र प्रेषित किया जाए कि वह अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर नो "हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी"

का पालन कराने में सहयोग करें और सेल्समेनों के साथ मारपीट व अभद्रता करने वाले असामाजिक तत्त्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से यह भी कहा कि नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जाए, ताकि लोग स्वतः जागरूक बन सके और वह दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय, क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी बृजेश पाल, अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी गण तथा पेट्रोल पंप संचालक उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को मिलेगा संसद में जाने का मौका, जानिए कैसे होगा चयन?

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर । 11/03/2025 भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वधान में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जो युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को नीति निमार्ताओं तक पहुंचाने का अनूठा मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम युवाओं को नीतिगत चचाओं, नेतृत्व विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने का अवसर देगा।

आयु सीमा-इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर जनपद के 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा भाग ले सकते हैं।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागियों को 'विकसित भारत हमारे लिए क्या मायने रखता है' विषय पर हिंदी अथवा अंग्रेजी में एक मिनट का वीडियो बनाकर माय भारत पोर्टल पर https://myb-harat.gov.in/pages/event_det

ail?event_name=VIKSIT-BHARAT-YOUTH-PARLIA-MENT-DISTRICT-NODAL-LEVEL-Gautam-Buddha-Nagar&key=608101271608 अपलोड करना होगा।

द्रोणाचार्य कालेज की निदेशक डॉ अर्पिता गुप्ता ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत 150 युवाओं को जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिसका आयोजन नोडल जनपद गौतमबुद्धनगर में किया जाएगा जिसमें गौतमबुद्धनगर, बागपत और गाजियाबाद जनपद के युवा शामिल होंगे।

यहां से 10 विजेता राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट के लिए चयनित होंगे और उनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों को संसद में आयोजित विशेष सत्रों में भाग लेने और नीति-निर्माण प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव न केवल युवाओं के चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल को निखारेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की प्रेरणा भी देगा। अगर आप भारत के विकास में योगदान देने और अपने विचारों को प्रभावशाली मंच पर प्रस्तुत करने का सपना देखते हैं, तो यह आपके लिए एक शानदार अवसर है।

पंजीकरण शीघ्र करें तथा अपने साथियों को भी पंजीकरण करने के लिए प्रेरित करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें!

विकास भवन के सभागार में उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 को लेकर गठित जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की बैठक आहुत

आज का मुद्दा-गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के अर्न्तगत गठित जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की बैठक विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आहुत की गई। बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आदि के अलावा जनपद के प्रगतिशील एफपीओ ओएस शुगरकेन भोजपुर, प्रोडयूसर कंपनी एवं इनविक्टस फार्मर प्रोडयूसर कंपनी द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद में कृषि निर्यात की अपार संभावनाओं पर जोर देते हुए ज्यादा से ज्यादा कृषकों के कलस्टर बनाए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा कृषकों व अन्य हितधारकों को नीति के बारे में अवगत कराया जाए। बैठक में जनपद स्तरीय कलस्टर सुविधा इकाई की सदस्य एवं सचिव योगिता द्वारा उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के प्रोत्साहनों एवं नीति का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। उन्होंने बताया कि नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए कृषकों द्वारा कलस्टर निर्माण पर प्रोत्साहन राशि प्राप्त की जा सकती है।

केमिस्ट शॉप खुलवाने और अस्पताल में एमडी का पद देने के नाम पर ठगी

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा में एक व्यक्ति से 1 करोड़ 25 लाख रुपये का फजीर्वाड़ा करने का मामला सामने आया है। केमिस्ट शॉप खुलवाने का ऑफर देकर 20 लाख रुपये ले लिए और अस्पताल में एमडी का पद देने के नाम पर यह फ्रॉड किया गया है। इस मामले में तीन नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ अदालत के आदेश पर थाना सेक्टर-113 में रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोपियों में दो डॉक्टर भी शामिल हैं।

सेक्टर-122 स्थित एमडी सिटी अस्पताल के धीरज गहलौत ने पुलिस को शिकायत दी। बताया कि वर्ष 2022 में डॉक्टर रवि और डॉक्टर रंजीत वर्मा ने अपने आप को एमडी सिटी अस्पताल एलएलपी का मालिक बताया और मेडिकल स्टोर खोलने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए धीरज को 20 लाख रुपये जमा करने को कहा गया। दोनों की बातों में आकर शिकायतकर्ता ने उनके तरफ से बताए गए खाते में 20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

मेडिकल स्टोर खुलवाने का लिखित अनुबंध करने का आश्वासन देने के बाद भी वे दोनों अपने वादे से मुकर गए। उन्होंने 40 लाख रुपये लेकर केमिस्ट शॉप गैलेक्सी फॉर्मा को दे दी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने जब दोनों डॉक्टरों से अपने पैसे वापस मांगे, तो रंजीत वर्मा ने आश्वासन दिया कि भुगतान की गई धनराशि में से डॉक्टर रवि के शेयर का भुगतान कर दिया जाएगा। आरओसी में डॉक्टर रवि का नाम हटवाकर शिकायतकर्ता का नाम जुड़वा दिया जाएगा।डॉक्टर रंजीत वर्मा ने शिकायतकर्ता से इस दौरान यह भी कहा कि नए समझौते के मुताबिक डॉक्टर रवि आसानी से समझौते नामे पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। इसके लिए पहले संदीप वर्मा का नाम और बाद में शिकायतकर्ता का नाम जुड़वाने की बात कही गई। शिकायतकर्ता से अस्पताल में हिस्सेदारी दिलाने के नाम पर अलग अलग तिथियों में सवा करोड़ रुपये लिए गए। शिकायतकर्ता को 51 प्रतिशत का हिस्सेदार बनाने का सौदा हुआ था, हालांकि उसे 49 प्रतिशत का ही हिस्सेदार बनाया गया।

हत्या कराने की धमकी

डॉक्टर रवि और रंजीत ने सुनियोजित योजना के तहत शिकायतकर्ता का नाम बैंक में नहीं जोड़ा। एकल हस्ताक्षर कर धनराशि निकाली जाने लगी और यहीं से गबन और ठगी की शुरूआत हुई। शिकायतकर्ता ने जब अस्पताल के आय और व्यय का हिसाब मांगा तो उसके साथ गाली-गलौज की गई। नामजद आरोपियों ने शिकायतकर्ता के अस्पताल आने पर हत्या करवाने की धमकी दी।

डॉक्टर का आपराधिक इतिहास

शिकायतकर्ता का दावा है कि डॉक्टर रंजीत का आपराधिक इतिहास भी है। डाक्टर रंजीत पर बिना डिग्रीधारक डॉक्टरों की टीम बनाकर अस्पताल में इलाज के नाम धोखाधड़ी करने का भी आरोप है। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि बीते साल सेटलमेंट के लिए डॉक्टर रंजीत ने उसे नोएडा बुलाया। यहां रंजीत की तरफ से बुलाए गए हथियारबंद और नकाबपोश बदमाशों ने शिकायतकर्ता को बंधक बनाकर कई दस्तावेज पर हस्ताक्षर करा लिए। थाना पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देश में पहली बार मनाया जाएगा मनु व मनुस्मृति महोत्सव 2025

आज का मुद्दा- ग्रेटर नोएडा (विशेष संवाददाता) आगामी 4 ,5, 6 अप्रैल को गुरुकुल सिकंदराबाद में पूरी भव्यता के साथ मनु महोत्सव का आयोजन जनपद गौतम आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।

आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के प्रधान डॉक्टर राकेश कुमार आर्य ने इस संदर्भ में बातचीत करते हुए हमें बताया कि महर्षि मनु के बारे में भ्रांत धारणाएं फैलाकर लोगों ने भारत हिंदू समाज को काटने का काम किया है। जबकि कुछ लोगों ने मनुस्मृति में मिलावट कर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए एक वर्ग को उपेक्षित करने का भी काम किया है । ऐसे में आर्य समाज हिंदू समाज के भीतर एकता स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरित होकर अपने इस महानायक के साथ न्याय करने के लिए कमर कस चुका है।

उन्होंने बताया कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुध नगर इस संघर्ष को आर्य सिद्धांत रक्षक ट्रस्ट के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाएगी। इसके लिए उन सभी आर्य विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा जो महर्षि मनु के वास्तविक स्वरूप के प्रति चिंतित हैं और उसे स्थापित कर भारत और विश्व की व्यवस्था को सुधारने के लिए कुछ करना चाहते हैं। डॉ आर्य ने बताया कि यह सिलसिला अभी आरंभ हुआ है, इसे पूर्णता तक पहुंचाने के लिए समय चाहिए। नए अभियान को नए जोश, नई सोच , नई खोज और नए ओज के साथ स्थापित करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर देश के सभी हिंदूवादी संगठनों, उनके प्रमुखों,

उनके चिंतकों और राष्ट्रवादी सोच रखने वाले व्यक्तियों का आवाहन करती है कि वह इस अभियान के साथ जुड़कर आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर का मनोबल बढ़ाएं। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए श्री आर्य सागर ने बताया कि इस कार्यक्रम को अनूठा और अद्वितीय बनाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। जिसमें भारतीय सांस्कृतिक गौरव को प्रकट करने वाली विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। हर स्थिति में प्रयास किया जाएगा कि कार्यक्रम से प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का अंतरनिहित संदेश पूरे देश में जाए।

इस संबंध में लगभग सवा सौ वर्ष पुरानी संस्था गुरुकुल सिकंदराबाद में आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर की एक आवश्यक बैठक अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के इस महान और ऐतिहासिक कार्यक्रम का बढ़ चढ़कर प्रचार प्रसार किया जाए। जिससे राष्ट्र की उलटी दिशा को एक सकारात्मक विमर्श के साथ समन्वित कर राष्ट्र के युवाओं को एक नई दिशा दी जा सके। सभा ने यह निर्णय लिया कि आर्य समाज समरस समाज बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर इस कार्य को करेगा। इसका उद्देश्य किसी भी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है बल्कि मनु महाराज के वास्तविक स्वरूप को स्थापित करना है। इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह , सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के राष्ट्रीय महामंत्री विनय आर्य, राष्ट्र निर्माण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आनंद कुमार , स्वामी चेतन स्वरूप वैश्वानर , गार्गी कन्या गुरुकुल की प्राचार्य मनु आर्या , डॉ सुरेंद्र कुमार दर्शनाचार्या विमलेश आर्या सहित अनेक विद्वानों के पहुंचने की संभावना है। सभी विद्वान महर्षि मनु के भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में योगदान पर प्रकाश डालेंगे।

इस विशेष बैठक में देव मुनि जी महाराज, देवेंद्र सिंह आर्य एडवोकेट, ओमवीर सिंह भाटी एडवोकेट, सरपंच रामेश्वर सिंह, विजेंद्र सिंह आर्य , दिवाकर आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतमबुद्ध नगर के उप प्रधान श्री मुकेश नागर एडवोकेट , आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश के सचिव श्री आर्य वीरेश भाटी , मंत्री धर्मवीर सिंह आर्य , श्री सौरभ आर्य , विपिन आर्य, महेंद्र सिंह आर्य, जीत सिंह आर्य, बाबूराम आर्य इंजीनियर श्यामवीर सिंह भाटी आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के प्रति संकल्प व्यक्त किया।

तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय ओपन स्टेट सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता मेरठ और जनपद वाराणसी के बीच फाइनल सम्पन्न

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर : उप जिला क्रीड़ा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अनीता नगर ने बताया कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर के तत्वाधान में तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय ओपन स्टेट सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में जनपद मेरठ और जनपद वाराणसी के बीच फाइनल मैच खेला गया, जिसमें मेरठ ने वाराणसी को 13 पॉइंट से पराजित किया। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा एवं उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ महासचिव राजेश कुमार यादव दोनों ही अतिथियों के संयुक्त रूप से विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी ट्रैकसूट मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई। इसी के साथ प्रतियोगिता में उपस्थित रहे जिला क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्यराज त्यागी, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर, जिला कबड्डी संघ जितेंद्र नागर, श्याम वीर विधूड़ी, बालचंद नागर, विजय किशोर निम्स हॉस्पिटल, डॉङ्क परवेज अली जूडो कोच, ज्योति नगर बॉक्सिंग कोच, सुमित कुमार कबड्डी कोच, शिलांकुर नेटबाल कोच, देवेंद्र कौशिक कार्यालय सहायक उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम के अंत में लक्ष्यराज त्यागी द्वारा सभी का अभिवादन व्यक्त किया गया और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नगर जी द्वारा सभी का धन्यवाद दिया गया।

होशियारपुर ने जीती नोएडा ग्रामीण कप ट्रॉफी

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर :नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में खेले गए नोएडा ग्रामीण कप सीजन-2 के फाइनल मुकाबले में होशियारपुर ने पर्थला तीन विकेट से पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। रेड डेविल्स के संचालक अर्पित चतुवेर्दी ने बताया कि टूनार्मेंट में 24 गांवों की टीमों ने हिस्सा लिया। पर्थला ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 45 रन बनाए। लक्ष्य को हासिल करने उतरी होशियारपुर की टीम ने दसवें ओवर में 47 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच अजय रहे। पर्थला टीम के नमन चौहान मैन ऑफ द सीरीज रहे। मुख्य अतिथि बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विजेता टीम को इनामी राशि देकर सम्मानित किया।

नोएडा की लोटस ग्रीन्स के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए : न्यायालय

आज का मुद्दा-नोएडा। उच्चतम न्यायालय ने अनियमितताओं के मामले में बिल्डर लोटस ग्रीन्स की नोएडा स्थित परियोजना के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने डेवलपर द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। पीठ ने सात मार्च के आदेश में कहा, नोटिस जारी करें। इस बीच, कार्यवाही जारी रहेगी, लेकिन कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत का यह आदेश आया। 24 फरवरी को, उच्च न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन के लिए डेवलपर की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना से संबंधित मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।उच्च न्यायालय ने सीबीआई को मिलीभगत करने वाले नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और परियोजना के आवंटन, विकास, मंजूरी में शामिल आर्वटियों या बिल्डरों और ऐसे किसी भी अन्य व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया, जिनकी मामले में संलिप्तता हो सकती है। नोएडा प्राधिकरण को भी निर्देश दिया गया था कि वह एक सप्ताह के भीतर सभी हितधारकों को नोटिस जारी कर ब्याज और जुमार्ने सहित बकाया राशि का पूरा भुगतान करने को कहे।उच्चतम न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लोटस ग्रीन्स के प्रवक्ता ने कहा, ह्यह्यकंपनी को माननीय उच्चतम न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हमें उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप से कंसोर्टियम के भागीदारों और उनके घर खरीदारों को बहुप्रतीक्षित न्याय मिलेगा। नोएडा के सेक्टर 150 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना जून 2014 में शुरू की गई थी, जो 12 लाख वर्गमीटर में फैली हुई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे टोल को लेकर किसानों की चेतावनी

आज का मुद्दा-नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के सैकड़ों कार्यकताओं ने आज एसडीएम जेवर को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश प्रभारी सूबे सिंह डागर के संरक्षण में जिलाध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर इरफान प्रधान और जिलाध्यक्ष बुलंदशहर विष्णु चौधरी के नेतृत्व में यह ज्ञापन दिया गया। युवा जिला अध्यक्ष अनुज नागर ने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे पर किसानों और स्थानीय लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। रबूपुरा मेहंदीपुर के किसानों को जेवर तहसील में खसरा खतौनी कार्य के लिए टोल देना पड़ता है। जेवर और जहांगीरपुर क्षेत्र के लोगों को मथुरा-वृंदावन के मंदिरों में दर्शन के लिए जेवर से नोएडा तक का टोल देना पड़ता है।संगठन ने कई बार टप्पल तक सर्विस रोड बनाने की मांग की है। सहमति के बावजूद यह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। एसडीएम के माध्यम से यमुना एक्सप्रेसवे प्रशासन को चेतावनी दी गई है। अगर 16 मार्च तक इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो स्थानीय किसान भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना देंगे। कार्यक्रम में सोनपाल चौहान, डॉ. राजकुमार, प्रदीप चौधरी, डॉ. उमर मोहम्मद, मोनू कसाना, मास्टर राशिद, अशोक अत्री समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एमएसएमई कार्यालय में जीएसटी अधिकारियों ने एमनेस्टी में पंजीकरण के लिए उद्यमियों को किया उत्साहित

आज का मुद्दा-नोएडा। नोएडा में मंगलवार को एमएसएमई कार्यालय में जीएसटी से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जीएसटी खंड सात के तहत 156 उद्यमियों और व्यापारियों को एमनेस्टी योजना का पात्र होने की बात सामने आई। इस योजना के तहत उन व्यापारियों को राहत दी जा रही है, जिन पर कम बकाया है और जिन्हें विभिन्न कारणों से जीएसटी के भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बैठक में बताया गया कि इनमें से 51 मामले ऐसे हैं जिन पर महज 8,000 रुपये का बकाया है। कई मामलों में तो बकाया राशि इससे भी कम है। इस स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने व्यापारियों और उद्यमियों को पोर्टल पर पंजीकरण करने की सलाह दी, ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें और अपने बकाए का निपटारा आसानी से कर सकें। एमनेस्टी योजना का उद्देश्य व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित लंबित मामलों में राहत प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी दंड के अपनी बकाया राशि चुका सकें। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का फायदा उठाकर व्यापारी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए आवश्यक कदम उठा सकते हैं। बैठक में एमएसएमई विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों को योजना के तहत पंजीकरण के लिए पोर्टल पर जाने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह योजना सीमित समय के लिए है, और व्यापारियों को इसका लाभ जल्द से जल्द उठाने की सलाह दी गई।